राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 03 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–67 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब के बाद अब गुजरातवासियों से केजरीवाल ने मांगा एक मौका, तिरंगा यात्रा में बोले दिल्ली सीएम

एजेंसी । पंजाब चुनाव में अपनी प्रचंड जीत के बाद उत्साहित अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी ने अपना ध्यान गुजरात पर केंद्रित कर दिया है। गुजरात प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का गृह क्षेत्र है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। पहले दिन भगवंत मान के साथ, केजरीवाल ने आज अहमदाबाद में साबरमती आश्रम का दौरा किया और शहर में एक रोड शो में भाग लिया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने भीड़ से कहा कि को एक मौका दें। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में भगवंत मान की सरकार आने के दस दिनों में ही भ्रष्टाचार खत्म हो चुका है। दिल्ली में भी यह पहले ही हो चुका है। उन्होंने जनता के बीच सवाल दागा, क्या गुजरात में भी घूस मांगी जाती है तो पब्लिक ने हां में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि गुजरात में बीजेपी का 25 साल का शासन हो गया है, अब एक मौका आम आदमी पार्टी को मिलना चाहिए ताकि यहां भी ईमानदार व्यवस्था कायम की जा सके।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर, मोदी ने ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कही बड़ी बातें

एजेंसी ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन टेहान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की मौजूदगी में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (इंडऑस एकता) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार पांच वर्ष में बढ़कर 45 से 50 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर पहुंचने की उम्मीद है, जो इस समय 27 अरब अमेरिकी डॉलर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि दोनों देश बहुत कम समय में इस समझौते पर पहुंचे हैं, जो दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास का सबूत है। उन्होंने कहा कि यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भरोसेमंद बनाने और भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता में सहायक होगा। उन्होंने दोनों मंत्रियों और वार्ता में शामिल दोनों देशों के अधिकारियों की टीम को बधाई दी और कहा कि वह (श्री मोदी) इससे बहुत खुश हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मॉरिसन ने कहा कि यह समझौत (इंडऑस एकता) दोनों देशों के बीच निरंतर प्रगाढ़ हो रहे संबंधों में एक और ऐतिहासिक आयाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया कोयला, तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी), दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति के माध्यम से भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में सहयोग बढ़ा सकेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग में स्थिरता क्वाड समूह के नेताओं के बीच बातचीत का एक मुख्य विषय रहता है। मॉरिसन ने कहा कि इस समझौते से शिक्षा, व्यापार, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में विस्तार होगा और यह अवसरों का एक विशाल द्वारा खेलने वाला समझौता है। वहीं, वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया स्वाभाविक भागीदार हैं और दोनों देशों ने कोविड-19 महामारी के दौरान दो भाइयों की तरह आपस में सहयोग किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री मॉरिसन के बीच घनिष्ठता और दोनों की प्रेरणा से यह समझौता इतनी शीघ्रता से हो सका है। उन्होंने कहा कि इससे आने वाले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापारी वर्तमान 27 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 45 से 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। संपत्ति के साथ सबसे अमीर भारतीय मुकेश अंबानी सबसे शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में 5वें स्थान पर हैं। हाल ही में संपन्न हुए उत्तर प्रदेश विधान

सभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने वाले में शानदार जीत दर्ज करने वाले योगी आदित्यनाथ 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में छठे स्थान पर मौजूद हैं। लिस्ट में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी नाम है, जो 11वें स्थान पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- देश की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसकी एकता तथा अखंडता की रक्षा के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। सिंह ने भारतीय वायु सेना द्वारा हाकिमपेट के वायु सेना स्टेशन में चेतक हेलीकॉप्टर की राष्ट्र सेवा के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मेलन उन लोगों के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है जिन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की है। चेतक के अमूल्य योगदान के लिए अपना सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, जब भी कोई देश सुरक्षा के लिए युद्ध लड़ता है, तो इसमें केवल सशस्त्र बल ही हिस्सा नहीं लेते हैं। पूरा देश उस युद्ध को लड़ता है। एचएएल जैसे संगठनों के वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन, जो'चेतक जैसे हेलीकॉप्टर और अन्य प्लेटफॉर्म विकसित करते हैं, हमारे सैनिकों के समान ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छोटे व्यवसायों से जुड़े लाखों कर्मचारी भी इन परियोजनाओं के लिए पुर्जों की आपूर्ति करके योगदान करते हैं। यह कॉन्क्लेव उन सभी की कड़ी मेहनत और समर्पण का जश्न मनाता है। सिंह ने राजपूत राजा महाराणा प्रताप के'चेतक नामक घोड़े से चेतक हेलीकॉप्टर की तुलना करते हुए कहा कि वह न केवल एक मशीन है, बल्कि एक जीवंत और समर्पित इकाई है जो पिछले छह दशकों से लगातार राष्ट्र की सेवा में लग कर दूसरों के लिए मिसाल कायम की है। एक जीवंत और समर्पित इकाई है जो पिछले छह दशकों से लगातार राष्ट्र की सेवा में लग कर दूसरों के लिए मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि अब तक निर्मित लगभग 700 चेतकों ने पूरे समर्पण के साथ युद्ध और शांति में राष्ट्र की सेवा की है। रक्षा मंत्री ने निर्माण के 60 वर्षों बाद भी एक अग्रणी मंच बने रहने के लिए चेतक की सराहना की।

राकांपा प्रमुख शरद पवार बोले- समाज में कड़वाहट फैलाने के प्रयास कर रही है मोदी सरकार

एजेंसी । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए आरोप लगाया कि समाज में कड़वाहट फैलाने की कोशिश की जा रही है और इसलिए देश को आगे ले जाना व सद्भाव बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति लोगों को जोड़ती थी, लेकिन अब देश में उन्हें धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का नेतृत्व महात्मा गांधी जैसी राष्ट्रीय हस्तियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। पवार यहां से करीब 230 किलोमीटर दूर सांगली में एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने स्थानीय नेता शिवाजीराव नाइक का भाजपा छोड़ने के बाद राकांपा में वापस आने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा, शिवाजीराव जिला परिषद अध्यक्ष के रूप में सफल रहे। मैं राकांपा में उनका फिर से स्वागत करता हूं। आइए उनकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए महाराष्ट्र की बेहतरी के लिए मिलकर काम करें। पवार ने कहा, महाराष्ट्र में नेतृत्व एक था, जिसने विकास के लिए या लोगों को एक साथ लाने के लिए काम किया। लेकिन आज, देश में लोगों को महाराष्ट्र में नेतृत्व एक था, जिसने विकास के लिए या लोगों को एक साथ लाने के लिए काम किया। लेकिन आज, देश में लोगों को धर्म के आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। धर्म के आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और इसे बनाने का काम किया। लेकिन वर्तमान में देश का नेतृत्व इन लोगों को बदनाम

पूर्वोत्तर को लेकर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। असम, नगालैंड और मणिपुर के ''अधिकांश हिस्सों से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (आफस्पा) को हटाने संबंधी केंद्र के ''ऐतिहासिक फैसले का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति बहाल हुई है और यह क्षेत्र अब 'मुख्यधारा का हिस्सा बन गया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, जो अरुणाचल प्रदेश से लोकसभा सांसद हैं, ने कहा कि इस क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और विद्रोही समूहों के साथ बातचीत के दोतरफा दृष्टिकोण का फायदा मिला है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक ''रंगीन, सुंदर और शांतिपूर्ण पूर्वोत्तर देशभर के लोगों की प्रतीक्षा कर रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र की यात्रा और यहां निवेश की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस क्षेत्र को ''तबाह कर दिया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ा दिल दिखाया जिसकी इस क्षेत्र को जरूरत थी। मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के लोग चाहते थे कि सरकार उन तक पहुंचे। रिजिजू ने कहा कि क्षेत्र से आफस्पा को पूरी तरह से हटाने संबंधी प्रधानमंत्री मोदी के सपने को भी साकार किया जाएगा। आफस्पा सुरक्षा बलों को अभियान चलाने और बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने की शक्ति प्रदान करता है और अगर सुरक्षा बलों की गोली से किसी की मौत हो जाए तो भी यह कानून उन्हें गिरफ्तारी और अभियोजन से संरक्षण प्रदान करता है। रिजिजू ने कहा, हम सुनते थे कि पूर्वोत्तर को देश की मुख्यधारा में लाना है। मैं कह सकता हूं कि यह पहले से ही देश की मुख्यधारा में है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है और देश का एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से इस क्षेत्र पर उचित ध्यान दिया गया है।

मोदी जी रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का 'गुड मॉर्निंग गिफ्ट' देते हैं

महंगाई पर कांग्रेस का तंज

नई दिल्ली।

देश भर में बढ़ती महंगाई को लेकर हाहाकार है वहीं कांग्रेस महंगाई मुक्त अभियान चला रही हैं। इस बीच कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस औरअन्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में ईंधन और जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस देश में महंगाई अब इवेंट बन गई है। देश महंगे मोदी-वाद से पस्त और त्रस्त है। भाजपा की चुनावी जीत 'लूट का लाइसेंस बन गई है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि एक अप्रैल से जो महंगाई बढ़ाई गई, उससे जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि देश के 62 करोड़ अन्नदाताओं पर कर का बोझ डाला गया है। सरकार किसानों से आंदोलन का बदला ले रही है। डीएपी खाद की प्रति बोरी का दाम 150 रुपये बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी, देश के लोगों को रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का 'गुड मॉर्निंग गिफ्ट' देते हैं। पिछले 12 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 7.20 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई हैं। सुरजेवाला ने कहा कि एक अप्रैल से लगभग 800

जरूरी दवाओं के दाम 10.7 प्रतिशत बढ़ा दिए गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दवाइयों के दाम बढ़ने से लोगों को 10 हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त देने होंगे। इसके अलावा कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'मोदी जी महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं। वह हिंदू-मुसलमान में भेद नहीं करते हैं। वह महंगाई में धर्म और जाति नहीं देखते हैं।

कांग्रेस का मोदी पर हमला, कहा- महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं मोदी

एजेंसी । कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और कई अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं, क्योंकि इसमें वह किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह आरोप भी लगाया कि हाल के दिनों में ईंधन और जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''इस देश में महंगाई अब इवेंट बन गई है। देश महंगे मोदी-वाद से पस्त और त्रस्त है। भाजपा की चुनावी जीत 'लूट का लाइसेंस बन गई है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया, ''एक अप्रैल से जो महंगाई बढ़ाई गई, उससे जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा, ''देश के 62 करोड़ अन्नदाताओं पर कर का बोझ डाला गया है। सरकार किसानों से आंदोलन का बदला ले रही है। डीएपी खाद की प्रति बोरी का दाम 150 रुपये बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा, ''मोदी जी, देश के लोगों को रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का 'गुड मॉर्निंग गिफ्ट देते हैं। पिछले 12 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 7.20 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई हैं। रसोई गैस की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की गई है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमत में बढ़ोतरी करके करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमाई कर रही है। उन्होंने टोल में बढ़ोतरी का विषय उठाते हुए कहा कि इससे आम लोगों पर 6120 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ बढ़ा है। सुरजेवाला ने कहा कि एक अप्रैल से लगभग 800 जरूरी दवाओं के दाम 10.7 प्रतिशत बढ़ा दिए गए हैं।

मोदी किसी विशेष जाति, धर्म के नहीं बल्कि एक जन नेता हैं: नकवी

एजेंसी । केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी विशेष जाति, समुदाय, क्षेत्र या धर्म के नेता नहीं, बल्कि एक जन नेता हैं। साथ ही कहा कि सम्मान के साथ विकास की उनकी प्रतिबद्धता के कारण सभी का समावेशी सशक्तिकरण सुनिश्चित हो रहा है। मुंबई के पास नये पनवेल स्थित अंजुमन-ए-इस्लाम में मेधावी छात्रों को सम्मानित और सिविल सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाति और समुदाय के बंधनों को तोड़कर आम लोगों को प्रगति व समृद्धि का अनमोल साथी बनाया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नकवी ने कहा कि मोदी सरकार ने सभी जरूरतमंद वर्गों का आर्थिक-सामाजिक-शैक्षणिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए बिना थके लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले जहां अल्पसंख्यक समुदाय के करीब तीन करोड़ छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी गई थी, वहीं, मोदी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में 5.20 करोड़ छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी है। नकवी ने कहा कि इस कदम के कारण खासतौर पर मुस्लिम लड़कियों समेत अन्य छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में गिरावट आयी है। नकवी ने कहा कि इस कदम के कारण खासतौर पर मुस्लिम लड़कियों समेत अन्य छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में गिरावट आयी है। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान के लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए अन्य कार्यों का लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए अन्य कार्यों का भी उल्लेख किया।

कश्मीर मसले पर पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल बाजवा ने भारत को दी सलाह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा ने भारत के साथ शांतिपूर्ण बातचीत की इच्छा जताई। कमर बाजवा ने शनिवार को कहा कि भारत के साथ सभी विवादों को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। बाजवा ने कहा कि इस्लामाबाद कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए कूटनीति का रास्ता अपनाने में विश्वास करता है ताकि हमारे क्षेत्र से आग की लपटों को दूर रखा जा सके। जनरल बाजवा ने दो दिवसीय इस्लामाबाद सुरक्षा वार्ता सम्मेलन के अंतिम दिन यह बात कही, जिसमें व्यापक सुरक्षाः अंतरराष्ट्रीय सहयोग की पुनर्कल्पना विषय के तहत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उभरती चुनौतियों पर चर्चा के लिए पाकिस्तानी और अंतरराष्ट्रीय स्तर के नीति विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र और अन्य जगहों समेत दुनिया का एक तिहाई हिस्सा किसी न किसी तरह के संघर्ष और युद्ध में शामिल है, ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने क्षेत्र से आग की लपटों को दूर रखें। जनरल बाजवा ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर विवाद सहित सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने में भरोसा रखता है और अगर भारत ऐसा करने के लिए सहमत होता है ।

भारत में खत्म होने लगा है कोरोना, बीते 24 घंटों में 1,260 नये मामले, 83 लोगों की मौतें

(एजेंसी) ।

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 1,260 नये मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,30,27,035 हो गयी, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 13,445 रह गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 83 मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,21,264 हो गयी है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.03 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.76 फीसदी है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 227 मामलों की कमी दर्ज की गयी है। संक्रमण की दैनिक दर 0.24 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.23 प्रतिशत दर्ज की गयी। इस बीमारी से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 4,24,92,326 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत दर्ज की गयी। अभी तक देशव्यापी कोविड-19 रोधी अभियान के तहत 184.52 करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि देश में 19 दिसंबर 2020 को कोविड-19 के मामले एक करोड़

के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

एमवीए सरकार में नहीं है कोई अंदरूनी कलह, गिराने के प्रयास में लगे लोगों को ठाकरे ने दिया ये करारा जवाब

एजेंसी । महाराष्ट्र की महा विकास आघाड़ी सरकार में किसी तरह की अंदरूनी कलह से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि इसे (सरकार को) गिराने का प्रयास करने वाले लोगों को विकास कार्यों से उचित जवाब दिया जा रहा है। मध्य मुंबई के वडाला में जीएसटी भवन की आधारशिला रखने के बाद ठाकरे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की छवि खराब करने वालों को समझना चाहिए कि यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। जीएसटी इमारत परियोजना के काम में तेजी के लिए उप मुख्यमंत्री अजित पवार को श्रेय देते हुए ठाकरे ने कहा कि परियोजना समय से शुरू हो इसके वास्ते एमवीए सरकार और पवार ने भूमि के लिये प्रस्तावों को आगे बढ़ाया और अनुमति दी गई। उन्होंने कहा, एमवीए सरकार में कोई आंतरिक कलह नहीं है। यह महा विकास आघाड़ी है जिसके पांव मजबूती से जमीन पर हैं और यह राज्य के विकास और प्रगति के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। ठाकरे ने कहा कि पिछले दो साल में एमवीए सरकार ने क्रियान्वयन से पहले विकास परियोजनाओं के समयबद्ध नियोजन के लिये खुद को समर्पित किया है। शुक्रवार को ठाकरे ने उन खबरों का खंडन किया था जिनमें दावा किया गया था कि वह राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल और उनके विभाग के कामकाज से नाराज हैं। ठाकरे का खंडन उन अटकलों के बीच आया था कि वह पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस आरोप पर विधानसभा में वलसे-पाटिल के जवाब से खुश नहीं हैं, जिसमें कहा गया था कि राज्य में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस सरकार झूठे मामलों में भाजपा नेताओं को फंसाने की साजिश कर रही है। अपने विरोधियों पर परोक्ष रूप से प्रहार करते हुए ठाकरे ने कहा, ''कई बार घोषणाएं की जाती हैं और आधारशिला रखी जाती है, लेकिन उससे आगे कुछ नहीं होता...हम आज से इमारत का काम शुरू कर रहे हैं और यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एमवीए सरकार ने अपने आलोचकों और इसे गिराने की कोशिश करने वालों को काम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के जरिये जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कोष को विकास परियोजनाओं के वादे को पूरा करने के लिए पैसों की जरूरत है। ठाकरे ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसे मजबूत करने की जरूरत है। ठाकरे ने कहा कि जीएसटी इमारत का निर्माण 2025 तक पूरा हो

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।
उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।
उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।
उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-
ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना.। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कलपुर्जों की कमी से वित्त वर्ष 2021-22 में वाहनों का उत्पादन हुआ प्रभा वित

मार्च में मारुति, हुंदै की थोक बिक्री घटी और टाटा, किआ की बढ़ी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर की घरेलू बिक्री में मार्च, 2022 के दौरान गिरावट दर्ज की गई। वहीं टाटा मोटर्स, स्कोडा और किआ इंडिया ने पिछले महीने अपनी अब तक की सबसे अधिक मासिक थोक बिक्री हासिल की है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बताया कि मार्च, 2022 में उसकी बिक्री पिछले पांच वर्षों के दौरान सबसे अधिक रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी मार्च के दौरान अपने यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि दर्ज की है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि मार्च महीने में उसकी घरेलू बिक्री सात प्रतिशत घटकर 1,43,899 इकाई रही जो एक साल पहले इसी माह में 1,55,417 इकाई थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 16,52,653 इकाइयों की बिक्री की है। कंपनी ने कहा` कि इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी का वित्त वर्ष 2021-22 में वाहनों के उत्पादन पर कुछ प्रभाव पड़ा था। हुंदै मोटर इंडिया की कुल बिक्री भी सालाना आधार पर मार्च, 2022 में 14 प्रतिशत घटकर 55,287 इकाई रह गई। कंपनी ने इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 64,621 इकाइयां बेची थी। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स ने मार्च, 2022 के दौरान अपने यात्री वाहनों की किसी एक महीने में सबसे अधिक बिक्री हासिल की है। कंपनी की थोक बिक्री मार्च 2021 में 29,654 इकाइयों से 43 प्रतिशत बढ़कर मार्च, 2022 में 42,293 इकाई पर पहुंच गई। महिंद्रा ने बताया कि घरेलू बाजार में पिछले महीने उसके यात्री वाहनों की बिक्री 65 प्रतिशत बढ़कर 27,603 इकाई हो गई, जो मार्च 2021 में 16,700 इकाई थी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की थोक बिक्री भी मार्च, 2022 में 14 प्रतिशत बढ़कर 17,131 इकाई हो गई। एक साल पहले के इसी महीने में उसने 15,001 इकाइयों की बिक्री की थी। वाहन विनिर्माता किआ की बिक्री भी पिछले महीने बढ़कर 22,622 इकाई पर पहुंच गई। यह कंपनी द्वारा किसी एक महीने में बेचे गए वाहनों की सबसे अधिक संख्या है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से सेमीकंडक्टर की आपूर्ति श्रृंखला हो सकती है प्रभावित: आईटी राज्य मंत्री

मुंबई ।

कोरोना महामारी से उबर रही ऑटो इंडस्ट्री पर इस बार रूस-यूक्रेन युद्ध का ग्रहण लगता दिख रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान बुरी तरह से प्रभावित वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग की सप्लाई चेन, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण और बाधित हो सकती है। संसद में यह जानकारी दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि इस संघर्ष का नियॉन और हेक्साफ्लोरोबुटाडाइन गैसों की आपूर्ति पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है जो सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। इनका उपयोग चिप उत्पादन के लिए लिथोग्राफी प्रक्रियाओं में किया जाता है। यूक्रेन और रूस नियॉन और हेक्साफ्लोरोबुटाडीन गैसों के प्रमुख आपूर्ति स्रोत हैं। मंत्री ने कहा` कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने सेमीकंडक्टर उद्योग सहित कई क्षेत्रों में सप्लाई चेन यानी आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित किया है। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का सेमीकंडक्टर चिप्स के उत्पादन और ऑटोमोबाइल उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

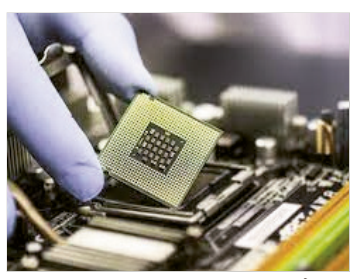

चंद्रशेखर ने कहा` कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग पहले से ही कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित था। अब रूस-यूक्रेन युद्ध और बाधा पैदा कर सकता है और सेमीकंडक्टर की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 617.648 अरब डॉलर हुआ

मुंबई ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट आई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर घटकर 617.648 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.597 अरब डॉलर घटकर 619.678 अरब डॉलर रह गया था। इससे पूर्व 11 मार्च, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 9.646 अरब डॉलर घटकर 622.275 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने की वजह से आई जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। आंकड़ों के अनुसार 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में एफसीए 3.202 अरब डॉलर घटकर 550.454 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 43.241 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.821 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.132 अरब डॉलर रह गया।

लिस्टिंग के बाद से अडाणी विल्मर ने दिया 135 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली ।

अदाणी विल्मर शेयरों में सुबह के शुरुआती कारोबार में ही अपर सर्किट लग गया। अदाणी समूह का यह शेयर लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेज़ी के साथ अपने नए शिखर पर पहुंच गया है। यह शेयर 542।70 के नए उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा है। अदाणी विल्मर शेयर का शेयर शुक्रवार को एनएसई पर लगभग 9 रुपए प्रति शेयर की बढ़त के साथ खुला और अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। विल्मर शेयर की कीमत में तेज उछाल के कारणों पर बोलते हुए शेयर इंडिया सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट और रिसर्च हेड रवि सिंह ने कहा अदाणी विल्मर के शेयरों को मौजूदा स्तरों पर मजबूत फंडामेंटल और तकनीकी समर्थन प्राप्त है। इसके सभी तकनीकी संकेतक जैसे आरएसआई, एमएसीडी, ऑसिलेटर्स और एमएएस दैनिक तेजी का समर्थन कर रहे हैं। स्टेपल पर कंपनी के हालिया दांव और देश के कई राज्यों में क्षेत्रीय चावल ब्रांडों और प्रसंस्करण इकाइयों के अधिग्रहण के लिए खोजबीन से इसके शेयरों को और तेज़ी मिली है। वहीं, मारवाड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज में इक्विटी रिसर्च के प्रमुख और वीपी जय ठक्कर ने कहा है दुनिया भर में कमोडिटी की कीमतों में उच्च वृद्धि के कारण अदाणी विल्मर के शेयरों में कुछ दिनों से उछाल देखने को मिल रहा है। खास तौर पर पाम तेल की कीमत जो निश्चित रूप से एडब्ल्यूएल के व्यवसायों की मदद करती है। इन वस्तुओं की कीमतें कुछ और समय के लिए ऊंचे स्तर पर रहने का अनुमान है।

इसलिए कंपनी को इन्वेंट्री में पड़ी कमोडिटी पर भी मार्जिन लाभ मिलेगा। कीमतों में वृद्धि के कारण समग्र लेनदेन की लागत बढ़ जाती है जो निश्चित रूप से अदानी विल्मर लिमिटेड के पक्ष में है। आईबीबीएम-मनी मेकर्स सिक्योरिटीज के निदेशक अनुज गौर ने कहा अदाणी विल्मर के शेयर की भारत में जनसंख्या और शहरी संस्कृति लगातार तीव्र गति से बढ़ रही है।

दुनिया का चाय केन्द्र बन सकता है भारत: गोयल

कोलकाता । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि चाय भारत का अभिन्न अंग है और इस देश को दुनिया का चाय केन्द्र बनाया जाना चाहिए। चाय बोर्ड के 69वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इस उत्पाद का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है, जबकि इसकी खेती का रकबा दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा` कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है लेकिन इससे हमें और बेहतर करने के प्रति आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें गुणवत्ता के मामले में और सुधार करने की जरूरत है। गोयल ने कहा कि भारत का एक बड़ा घरेलू बाजार है जहां कुल चाय उत्पादन का 70 प्रतिशत खपत होता है, लेकिन दुनिया में इस पेय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश होने के बावजूद यहां (भारत से) निर्यात घट रहा है। उनके अनुसार नए निर्यात स्थलों की खोज करनी होगी, और साथ ही चाय की खुशबू और स्वाद में सुधार करने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में चाय की कई किस्में उपलब्ध हैं, और इन्हें दुनिया भर में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, ऐसे में देश को चाय केन्द्र बनाना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें फिर 80 पैसे बढ़ी

मुंबई ।

तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की है। इससे पहले शुक्रवार को राहत दी गई थी और कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था लेकिन शे निवार को पेट्रोल और डीजल के भाव में 80-80 पैसे की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिल्ली में पेट्रोल 80 पैसे महंगा हुआ है वहीं डीजल की कीमतों में भी 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत अब 102.61 रुपए और डीजल की कीमत 93.87 रुपए हो गई। मुंबई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 85 पैसे की बढ़ोतरी की गई है, जिससे पेट्रोल और डीजल की कीमतें प्रति लीटर क्रमशः 117.57 रुपए और 101.79 रुपए हो गई हैं। जबकि चेन्नई में पेट्रोल की कीमत में 76 पैसे की वृद्धि हुई है और अब यह 108.21 रुपए प्रति लीटर और डीजल 98.28 रुपए प्रति लीटर पर बेचा जा रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 84 पैसे बढ़े हैं और डीजल 80 पैसे बढ़े हैं। इसके बाद यहां एक लीटर पेट्रोल 112.19 और डीजल 97.02 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। बेंगलुरु में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 108.14 रुपए और एक लीटर डीजल की कीमत 92.05 रुपए है। इस बीच भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 115.09 रुपए और एक लीटर डीजल 98.28 रुपए पर बिक रहा है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक लीटर पेट्रोल 119.85 रुपए और डीजल 102.48 रुपए लीटर बिक रहा है। रांची में एक लीटर पेट्रोल 105.85 और डीजल 99.09 रुपए पर पहुंच गया। लखनऊ में एक पेट्रोल और डीजल क्रमशः 102.45 और 94.02 रुपए लीटर मिल रहा है। गौरतलब है` कि शुक्रवार से पहले गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। 22 मार्च को करीबन 137 दिन बाद पेट्रोल डीजल के दाम बढ़े थे। 22 मार्च को करीबन 137 दिन बाद पेट्रोल डीजल के दाम बढ़े थे। तब से अब तक 12 दिनों में 10 दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। इस दौरान लगभग 7.20 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सीएनजी की कीमत में 80 पैसे प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई, जबकि पाइप से रसोई गैस की दरों में 5 रुपए प्रति क्यूबिक मीटर की बढ़ोतरी की गई।

संक्षिप्त समाचार

मार्च में रेकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन, क्या अब आम आदमी को मिलेगी राहत?

नई दिल्ली । कोरोना महामारी में कमी आने के बाद मार्च में जीएसटी कलेक्शन ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। मार्च में यह 1.42 लाख करोड़ रुपए रहा जो अब तक का रेकॉर्ड है। अप्रैल में इसके और ऊपर जाने की उम्मीद है। रेकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन से सरकार महंगाई से जूझ रहे आम आदमी को राहत देने के लिए कुछ कदम उठा सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच चल रही जंग के कारण कच्चे तेल की कीमत एक वक्त 139 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी लेकिन अपने यहां उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में चुनाव के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमत करीब साढ़े चार महीने स्थिर रही। इससे ऑयल मार्केटिंग कंपनियों का भारी नुकसान हुआ। इसकी भरपाई के लिए उन्होंने 22 मार्च से पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी शुरू कर दी। अब तक 10 किस्तों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 7.20 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हो चुका है। देश के कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 115 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच चुकी है जबकि डीजल भी 100 रुपये के करीब है। डीजल की कीमत बढ़ने से देश में महंगाई बढ़ने लगी है और आने वाले दिनों में यह चरम पर पहुंच सकती है। यही वजह है कि सरकार आम आदमी को राहत देने और महंगाई को काबू में करने के लिए पेट्रोल-डीजल पर सेंट्रल एक्साइज में कटौती कर सकती है। पिछले साल जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत रेकॉर्ड पर पहुंच गई थी तो सरकार ने लोगों को दिवाली गिफ्ट देते हुए पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में क्रमशः पांच रुपए और 10 रुपए की कटौती की थी। जानकारों का कहना है कि अगर मोदी सरकार फिर पेट्रोल-डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कटौती करती है तो इससे आम आदमी को राहत मिलेगी और महंगाई पर भी लगाम लगेगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार समझौता किया

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण और खेल उत्पादों समेत 95 फीसदी से अधिक भारतीय वस्तुओं के लिए अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डेन तेहान ने एक ऑनलाइन समारोह में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरिसन भी मौजूद थे।

एमईआईएल समूह ऊर्जा परिवर्तन में 3.5 करोड़ यूरो निवेश करेगा

हैदराबाद । इटली की तेल और गैस ड्रिलिंग रिग विनिर्माता और एमईआईएल समूह की इकाई ड्रिलमेक के निदेशक मंडल ने ऊर्जा बदलाव क्षेत्र में 3.5 करोड़ यूरो की निवेश परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए पहल शामिल है। एमईआईएल ने कहा कि हाइड्रोजन का उत्पादन उन्नत प्रौद्योगिकियों के जरिये किया जाएगा। ड्रिलमेक ने अल्ट्रा-क्लीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए पाइरोलाइटिक कनवर्टर के विकास और औद्योगिक उत्पादन के लिए इड्रोगेना नाम से एक स्टार्ट-अप कंपनी पहले ही शुरू कर दी है। ड्रिलमेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिमोन ट्रेविसानी ने कहा` कि हमें अपने देश (इटली) में इस नई पहल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो हमारे इतिहास के अनुरूप है। इसका उद्देश्य ऊर्जा, सामाजिक और पर्यावरणीय जरूरतों को शामिल करने में सक्षम जिम्मेदार और सुरक्षित प्रौद्योगिकियों का नवाचार और विकास करना है।

भारत, ऑस्ट्रेलिया ने संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता किया

बिजनेस डेस्क।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण और खेल उत्पादों समेत 95 फीसदी से अधिक भारतीय वस्तुओं के लिए अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डैन टेहन ने एक ऑनलाइन समारोह में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरिसन भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों के लिए वास्तव में एक अहम पल है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मॉरिसन ने कहा कि यह समझौता भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के करीबी संबंधों को और भी गहरा बना देगा। इस अवसर पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को 27 अरब डॉलर से बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर तक पहुंचने में मददगार होगा। ऑस्ट्रेलिया इस समझौते के तहत पहले दिन से निर्यात के लगभग 96.4 प्रतिशत मूल्य पर भारत को शून्य शुल्क की पेशकश कर रहा है। इसमें ऐसे कई उत्पाद शामिल हैं, जिन पर वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में चार से पांच प्रतिशत का सीमा शुल्क लगता है। इस समझौते से टेक्साइटल और परिधान, चुनिंदा कृषि और मत्स्य उत्पादों, चमड़ा, जूते, फर्नीचर, इलेक्ट्रिक सामान और रेलवे वैगन जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों को विशेष लाभ होगा। खेल उत्पाद, आभूषण, मशीनरी, इलेक्ट्रिक सामान और रेलवे वैगन जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों को विशेष लाभ होगा। भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया 17वां सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है और ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत नौंवा सबसे बड़ा साझेदार है। दोनों देशों के बीच 2021 में माल एवं सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर था। 2021 में भारत से वस्तुओं का निर्यात 6.9 अरब डॉलर का था और आयात 15.1 अरब डॉलर था। भारत द्वारा ऑस्ट्रेलिया को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में प्रमुख रूप से पेट्रोलियम उत्पाद, टेक्सटाइल और परिधान, इंजीनियरिंग सामान, चमड़ा, रसायन, रत्न और आभूषण शामिल हैं। आयात में मुख्य रूप से कच्ची सामग्री, कोयला, खनिज और मध्यवर्ती सामान शामिल है।

रियलमी सी 31 लॉच

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी रियलमी द्वारा सी31 किफायती स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया गया है। भारत में स्मार्टफोन को 8,999 रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है। रियलमी सी31 का डिज़ाइन जीबी 2 प्रो से प्रेरित है, जो 7 अप्रैल को भारत में आने वाला है। किफायती कीमत में स्मार्टफोन खरीदने की चाह रखने वालों के लिए ये प्रोडक्ट कंपनी की तरफ से ग्राहकों को एक बड़े तोहफे की तरह ही है। रियलमी सी31, सी35 के कुछ दिनों बाद कंपनी की एंट्री-लेवल सी-सीरीज़ में शामिल हुआ है। रियलमी सी31 को मूल रूप से इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया में लॉन्च किया था। भारत दूसरा बाजार है जहां फोन आया है।रियलमी सी31 की मुख्य विशेषताएं इसकी बैटरी, डिस्प्ले और बैक पर कैमरा सिस्टम हैं। रियलमी सी31 दो रैम और स्टोरेज विकल्पों के साथ आता है। 3जीबी रैम और 32जीबी स्टोरेज वाले की कीमत 8,999 रुपये है, जबकि 4जीबी रैम और 64जीबी मेमोरी वाले वाले की कीमत 9,999 रुपये है। रियलमी सी31 लाइट सिल्वर और डार्क ग्रीन रंगों में आता है। इसकी बिक्री 6 अप्रैल से फलीपकार्ट, रियलमी के ऑनलाइन स्टोर और आपके आस-पास की दुकानों पर होगी। रियलमी सी31 एक एंट्री-लेवल फोन है जो सिर्फ परफॉर्मेंस ही नहीं बल्कि अच्छी बैटरी लाइफ के साथ-साथ कई अन्य खासियतों के साथ भी आता है। रियलमी सी31 में 5000 एमएएच की बड़ी बैटरी है जो कंपनी का कहना है कि स्टैंडबाय मोड में 45 दिनों तक चलेगी। बैटरी 10डब्ल्यू चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिसका मतलब है कि इसे फुल चार्ज होने में लगभग दो घंटे का समय लगेगा। रियलमी सी31 के रियर में जीटी 2 प्रो-स्टाइल कैमरा सिस्टम है जिसमें 13-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, एक मैक्रो सेंसर और एक ब्लैक-एंड-व्हाइट सेंसर है।

मारुति अर्टिगा और अन्य एमपीवी के बीच जंग दिलचस्प

एसयूवी और एमपीवी सेगमेंट की कारों में जंग होगी तेज

नई दिल्ली ।

किआ कारेन्स की भारत में लॉन्चिंग के बाद जिस तरह मारुति अर्टिगा और अन्य एमपीवी के बीच जंग दिलचस्प हो गई है, वहीं एसयूवी सेगमेंट में टाटा नेक्सॉन की महिंद्रा, मारुतो, ह्यूंदै और किआ समेत अन्य कंपनियों की एसयूवी से जबरदस्त टक्कर हो रही है। अब टोयोटा भी किफायती एमपीवी सेगमेंट में अपनी नई कार लॉन्च करने की तैयारी में है और मीडिया रिपोर्ट्स में पता चल रहा है कि आने वाले समय में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भारत में एक नई एसयूवी से साथ ही एक नई एमपीवी भी लॉन्च करेगी। टोयोटा और सुजुकी जॉइंट वेंचर में नई मिडसाइज एसयूवी लाने की तैयारी में है, जिसे फिलहाल टोयोटा डी22 कोडनेम से पेश किया जा सकता है। इस मिडसाइज एसयूवी को डायहात्सु न्यू जेनरेशन आर्किटेक्चर प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा। यह एसयूवी इस साल दीवाली तक लॉन्च की जा सकती है। टोयोटा की इस मिडसाइज एसयूवी के एक्सटीरियर से लेकर इंटीरियर तक टोयोटा कोरोला क्रॉस की छाप देखने को मिल सकती है। वहीं, फीचर्स की बात करें तो टोयोटा की अपकमिंग मिडसाइज एसयूवी में हाइब्रिड टेक्नॉलजी के साथ ही अडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम समेत कई खास खूबियां देखने को मिल सकती हैं। टोयोटा आने वाले समय में भारत में मारुति अर्टिगा और किआ कारेन्स समेत अन्य पॉपुलर कंपनियों की अच्छी बिक्री वाली 7 सीटर सस्ती एमपीवी को चैलेंज करने के लिए इस एमपीवी में 115 लीटर 4 सिलिंडर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि 105बीएचपी की पावर और 138एनएम टॉर्क जेनरेट करेगा। इस एमपीवी को भी 5 स्पीड मैनुअल और 4 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ लॉन्च किया जा सकता है।

टीवीएस ने मार्च 2022 में 3,07,954 वाहन बेचे

नई दिल्ली। मोटर कंपनी टीवीएस ने मार्च 2022 में 3,07,954 वाहनों की बिक्री की है, जबकि मार्च 2021 में यह संख्या 3,22,643 थी जोकि दर्शाता है कि कंपनी की बिक्री में गिरावट आई है। कंपनी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दोपहिया बाजार में उसने मार्च 2022 में कुल 2,92,918 वाहन बेचे है, जिसमें से 1,96,956 वाहन घरेलू बाजार में बिके हैं। पिछले वर्ष के मार्च में कंपनी ने कुल 3,07,397 दोपहिया वाहन बेचे थे, इसमें 2,02,155 वाहन घरेलू बाजार में बिके थे। दोपहिया बाजार में कंपनी ने मोटरसाइकिल वर्ग में वृद्धि हासिल करते हुए मार्च 2022 में 1,60,522 वाहन बेचे हैं, जिसकी संख्या मार्च 2021 में 1,57,254 थी। कंपनी ने मार्च 2021 में 1,04,513 स्कूटर बेचे थे, जिसकी संख्या घटकर मार्च 2022 में 94,747 रही। कंपनी ने बताया की सेमीकंडक्टर की कमी के कारण प्रीमियम दोपहिया वाहनों के उत्पादन और बिक्री पर असर पड़ा है और हमें आशा है कि आने वाले महीनों में सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में सुधार होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में टीवीएस ने मार्च 2022 में 1,09,724 वाहनों का निर्यात किया है जिसमें 95,962 दोपहिया वाहन शामिल है। कंपनी नें मार्च 2021 में 1,19,382 वाहनों का निर्यात किया था, इसमें से 1,05,242 दोपहिया वाहन थे। तिपहिया वाहनों की बिक्री में भी कंपनी को गिरावट देखने को मिली है मार्च 2022 में कंपनी ने 15,036 वाहन बेचे हैं, जिनकी संख्या पिछले वर्ष इसी अवधि में 15,246 थी। वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में टीवीएस ने 8.15 लाख दोपहिया वाहन बेचे हैं, जिसकी संख्या वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि में 8.87 लाख थी। कंपनी की तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज हुई है।

केकेआर ने पंजाब किंग्स को 14वें ओवर में हराकर बड़ी जीज दर्ज की

मुंबई । कोलकाता नाईट राइडर्स की टीम ने पंजाब को किंग्स को 14वें ओवर में हराकर बड़ी जीज दर्ज की। इस जीत में कोलकाता के तेज गेंदबाज उमेश यादव और ऑलराउंडर आंद्रे रसल ने अहम योगदान दिया। उमेश ने जहां 23 रन देकर 4 विकेट लिए तो वहीं रसल ने 29 गेंदों पर 8 छक्के लगाकर 70 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई। जीत के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर पंजाब के प्रदर्शन से हैरान हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा उन्होंने पंजाब किंग्स से इस तरह की वापसी की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा हम स्तब्ध थे- हमने इस तरह की वापसी की उम्मीद नहीं की थी, विशेषकर पहले ही ओवर में विकेट गंवाने के बाद। लेकिन जब मैंने उन्हें अच्छी टाइमिंग के साथ रन बनाते हुए देखा तो सोचा कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं। श्रेयस ने कहा कि टीम के अनुभवी स्पिनरों ने उनका काम आसान कर दिया। उन्होंने कहा स्पिनरों ने मैदान पर मेरा काम आसान कर दिया। वे अपनी रणनीति के साथ उतरते हैं और टीम बैठक में वे पहले से ही अपनी योजनाएं तैयार रखते हैं। उन्हें पता है कि वे क्या कर रहे हैं। रसेल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उसे इतनी असानी से बड़े शॉट खेलते हुए देखकर काफी राहत मिली। शानदार हिटिंग। उमेश के साथ मेरी बात हुई। उसकी उम्र बढ़ रही है, लेकिन मैंने कहा कि वह और अधिक फिट और मजबूत हो रहा है। वह अभ्यास में कड़ी मेहनत कर रहा है।

राष्ट्रीय पिट्ठू चैम्पियनशिप : मध्यप्रदेश व राजस्थान बने चैम्पियन

भोपाल/इन्दौर ।

मेजबान मध्य प्रदेश ने मजबूत राजस्थान को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 63-58 अंकों से पराजित कर दूसरी राष्ट्रीय पिट्ठू चैम्पियनशिप में पुरूष वर्ग का खिताब जीत लिया। राजस्थान ने आदिवासी विभाग को 148-110 अंकों से शिकस्त देकर महिला वर्ग में विजेता बनने को गौरव अर्जित किया। आदिवासी विभाग ने पुरूष वर्ग में व मध्यप्रदेश ने महिला वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्पर्धा भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम के बहुउद्देशीय हॉल में सम्पन्न हुई। पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मप्र पिट्ठू एसोसिएशन द्वारा स्पर्धा आयोजित की गई। प्रदेश के डीजी होमगार्ड व पूर्व खेल संचालक पवन जैन ने भाजपा के वरिष्ठ नेता व भोपाल जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह व मप्र शासन के पूर्व मंत्री और पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जोशी की उपस्थिति में खिलाडियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत मप्र पिट्ठू एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिनारायण यादव, सचिव गुलाब सिंह चौहान, पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव नवीन गौड, भोपाल पिट्ठू संघ के अध्यक्ष सैयद साजिद अली, आशीष यादव ने किया। समारोह में सूरज कैरो, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, विनय यादव, सुरेश सांगते, जयवर्द्धन जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण समारोह में पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने फोन पर खिलाडियों को संबोधित करते हुए आव्हान किया कि हमारे परंपरागत खेल पिट्ठू को हमें ऑलंपिक तक ले जाना है। जिसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। समारोह के मुख्य अतिथि पवन जैन से भी इस सफल चैम्पियनशिप के लिए आयोजकों को बधाई दी तथा खिलाडियों से आग्रह किया कि वे दिल लगाकर खेल से जुडे रहे। आज हमारा देश खेल में बहुत उन्नति कर रहा है। खिलाडी की प्रगति में प्रशिक्षक की भूमिका सदैव अग्रणी रही है। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा पिट्ठू खेल की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। पुरूष वर्ग में दिल्ली व बिहार तथा महिला वर्ग में गुजरात व गोवा टीमों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। राजस्थान पिट्ठू एसोसिएशन द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को पिट्ठू सैट दिया गया। आयोजन अध्यक्ष हरिनारायण यादव द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। आभार भोपाल पिट्ठू एसोसिएशन के अध्यक्ष सैयद साजिद अली ने माना तथा कार्यक्रम का संचालन दामोदर प्रसाद आर्य ने किया। पुरूष वर्ग के खिताबी मुकाबले में मेजबान मध्य प्रदेश के तेजतर्रार खिलाड़ी यों ने राजस्थान को 63-58 अंकों से हराया। महिला वर्ग में राजस्थान ने आसानी से आदिवासी पराजित करने में अधिक संघर्ष नहीं करना पडा।

भविष्य के लिए बेहतर टीम तैयार कर रहे रोहित

मोहाली ।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य भविष्य के लिए एक बेहतर टीम तैयार करना है। रोहित के अनुसार अच्छी 'बेंच स्ट्रेंथ तैयार करना है भी जीत दर्ज करने जितना ही जरुरी है। रोहित ने कहा कि अगर आपको 'बेंच स्ट्रेंथ बनानी है तो आपको अभी से सोचना शुरू करना होगा, तभी भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा। यह मेरी चुनौतियों में से एक है और मेरी जिम्मेदारियों में से एक है। मैंने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है कि ऐसी बेंच स्ट्रेंथ तैयार की जाये जिसमें सभी बातों का ध्यान रखा जा सके। टीम अब अनुभवी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे से आगे बढ़ रही है , इसलिए युवा खिलाड़ियों को अपने पर भरोसा दिलाना जरूरी रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरे लिये अहम है कि मैं इन युवा खिलाड़ियों को किस तरह से खिलाता हूं जो बाहर बैठे हैं और मैं उन्हें आत्मविश्वास कैसे दिला सकता हूं। जब उन्हें अवसर मिले तो उन्हें बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि उन्हें क्या करना और हासिल करना है। इससे हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ेगा, भले ही हम जीते या फिर हारें। कप्तान ने यह भी कहा कि कोई भी नये खिलाड़ियों से आते ही मैच जिताने की उम्मीद नहीं कर सकता। कप्तान ने यह भी कहा कि कोई भी नये खिलाड़ियों से आते ही मैच जिताने की उम्मीद नहीं कर सकता। आप यह नहीं कह सकते कि आपको मैच जिताने ही होंगे क्योंकि मैच जीतने के लिए आपको कई चीजें करने की जरूरत होती है।बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने के लिए बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने के लिए खिलाड़ियों के लिए स्पष्ट रुख के साथ ही अच्छा माहौल बनाये रखने की जरूरत है ताकि खिलाड़ी अच्छे माहौल में निखर सकें।

आईपीएल में सबसे तेज 150 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे रसल

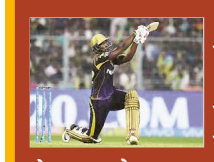

मुंबई । पंजाब किंग्स के खिलाफ कोलकाता नाईट राईडर्स के ऑलराउंडर आंद्रे रसल की धमाकेदार बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया है। रसल जब बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आए तो कोलकाता के 51 रन पर 4 विकेट गिर चुके थे। इस जगह से मैच पंजाब जीतती नजर आ रही थी। पर यहां से आंद्रे रसल की ऐसी आंधी की आई कि पूरी पंजाब की टीम उसमें उड़ गई। आंद्रे रसल ने पंजाब के खिलाफ 8 छक्के लगाए और नाबाद 70 रन बना दिए। इस पारी के साथ रसल ने अपने नाम रिकॉर्ड भी कर लिए हैं। आंद्रे रसल अपनी तूफानी पारी के दौरान आईपीएल में सबसे तेज 150 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आंद्रे रसल ने 72 पारियों में 150 छक्के पूरे किए हैं। वहीं क्रिस गेल ने 150 छक्के लगाने के लिए मात्र 55 पारियां ही ली थी और वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं। आईपीएल में एक पारी में सबसे ज्यादा बार 5 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में क्रिस गेल सबसे ऊपर हैं, उन्होंने 29 बार यह कारनामा किया है। उनके बाद एबी डिविलियर्स का नाम आता है, जिन्होंने 19 बार ऐसा किया है। इसके बाद किरोन पोलार्ड 13 बार, शेन वाटसन 11 बार, आंद्रे रसल और रोहित शर्मा ने 10 -10 बार यह कारनामा किया है।

पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने हार के लिए अपने बल्लेबाज को जिम्मेदार ठहरायाो

स्पिनर के प्रदर्शन से गदगद अय्यर

मुंबई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) स्पर्धा में पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार के लिए अपने बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया। उमेश यादव (23 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पंजाब की टीम 18.2 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। टिम साउथी ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए दो विकेट चटकाए। इसके जवाब में केकेआर ने रसेल की 31 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों से नाबाद 70 रन की पारी और सैम बिलिंग्स (24 नाबाद) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 90 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 14.3 ओवर में चार विकेट पर 141 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी 26 रन बनाए। पंजाब किंग्स की ओर से राहुल चाहर ने चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर दो विकेट चटकाए लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए। मयंक अग्रवाल ने तूफानी पारी खेलने वाले रसेल की भी सराहना की। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। गेंद से शुरुआत में हमने अच्छी टक्कर दी लेकिन इसके बाद आंद्रे रसेल क्रीज पर उतरे और तूफानी बल्लेबाजी की। इसके लिए उसे श्रेय जाता है। हमने 50 रन के आसपास उनके चार विकेट चटका दिए थे लेकिन रसेल ने मैच हमारे से छीन लिया। हमारे लिए काफी सकारात्मक पक्ष रहे।' उन्होंने कहा, 'यह 170 के आसपास का स्कोर खड़ा करने वाला विकेट था। मुझे लगता है कि हमने अच्छी शुरुआत की लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाए, कुछ विकेट आसानी से गंवाए। हालांकि टूर्नामेंट की शुरुआत में इस तरह के मुकाबले से अधिक समस्या नहीं होती।' केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्होंने पंजाब किंग्स से इस तरह की वापसी की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'हम स्तब्ध थे- हमने इस तरह की वापसी की उम्मीद नहीं की थी, विशेषकर पहले ही ओवर में विकेट गंवाने के बाद। लेकिन जब मैंने उन्हें अच्छी टाइमिंग के साथ रन बनाते हुए देखा तो सोचा कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।' श्रेयस ने कहा कि टीम के अनुभवी स्पिनरों ने उनका काम आसान कर दिया। उन्होंने कहा, 'स्पिनरों ने मैदान पर मेरा काम आसान कर दिया। वे अपनी रणनीति के साथ उतरते हैं और टीम बैठक में वे पहले से ही अपनी योजनाएं तैयार रखते हैं। उन्हें पता है कि वे क्या कर रहे हैं।' रसेल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, 'उसे इतनी असानी से बड़े शॉट खेलते हुए देखकर काफी राहत मिली। शानदार हिटिंग।

संक्षिप्त समाचार

उमेश यादव ने पूरी की पावरप्ले में विकेटों की फिफ्टी, नोबाल से जुड़ा एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी बनाया

मुंबई । कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने पंजाब किंग्स के अलावा भी अपनी शानदार लय जारी रखी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पहले गेंदबाजी करने उतरी कोलकाता को उमेश यादव ने मयंक अग्रवाल का विकेट दिलाकर शानदार शुरूआत दिलाई। उमेश ने इसी के साथ पावरप्ले में अपने 50 विकेट भी पूरे कर लिए। उमेश के अलावा इस लिस्ट में भुवनेश्वर कुमार (51), संदीप शर्मा (52), जहीर खान (52) का भी नाम है। उमेश ने इसी के साथ आईपीएल का एक शर्मनाक रिकॉर्ड में भी एंट्री मार ली। आईपीएल में नो बॉल फेंकने वाले बॉलरों की लिस्ट में उमेश अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा नो बॉल जसप्रीत बुमराह (27) ने फेंकी हैं। इसके बाद श्रीसंथ (23) का नाम आता है। उमेश यादव अब अमित मिश्रा और ईशांत शर्मा के साथ 21 नो बॉल के साथ बराबरी पर आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि उमेश के नाम पर आईपीएल में सबसे ज्यादा बाऊंड्रीज खाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले अब तक 513 बाऊंड्रीज खाई हैं। इस लिस्ट में पीयूष चावला 501 विकेट के साथ दूसरे तो डीजे ब्रावो 474 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार (473), प्रवीण कुमार (442), हरभजन सिंह (441), अमित मिश्रा (404), रविंद्र जडेजा (400), लासिथ मलिंगा (400), रवि अश्विन (397) भी शामिल हैं।

अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल में पूरे किए चार हजार रन

मुंबई । पंजाब किंग्स और कोलकाता नाईट राईडर्स के बीच खेले जाने वाले खेला के दौरान कोलकाता के सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अपने नाम एक रिकॉर्ड दर्ज कर लिया। रहाणे ने आईपीएल करियर में 4 हजार रन पूरे कर लिए हैं। ऐसा करने वाले वह भारत के 9वें खिलाड़ी बन गए हैं। रहाणे को आईपीएल में यह मुकाम हासिल करने के लिए 154 मैचों का सहारा लेना पड़ा। भारत के लिए आईपीएल में 4 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज की सूची में नजर डाले तो उसमें सुरेश रैना, विराट कोहली, गौतम गंभीर, शिखर धवन, रोहित शर्मा, रॉबिन उथप्पा, एमएस धोनी, दिनेश कार्तिक और अजिंक्य रहाणे शामिल हैं। आईपीएल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज की बात करें तो विराट कोहली 6336 रनों के साथ सबसे ऊपर हैं। उनके बाद 5843 रनों के साथ शिखर धवन दूसरे और 5652 रनों के साथ रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं, वहीं 5528 रनों के साथ सुरेश रैना चौथे और 4812 रनों के साथ एम एस धोनी पांचवें नंबर पर हैं। इसके अलावा रॉबिन उथप्पा ने 4800, गौतम गंभीर ने 4217, दिनेश कार्तिक ने 4092 और अजिंक्य रहाणे ने 4006 रन बनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि कोलकाता की टीम ने पंजाब को 137 रन पर ऑलआउट कर दिया। कोलकाता के लिए उमेश यादव ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम कि ।

पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड होंगे आमने सामने

क्राइस्टचर्च ।

मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को यहां आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के सामने होगी जिसमें वह सातवीं ट्राफी जीतकर अपने दबदबे को रखना चाहेगी लेकिन पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी के सामने उसकी यह डगर आसान नहीं होगी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने अलग-अलग तरीके से फाइनल में प्रवेश किया। गत चैम्पियन इंग्लैंड ने टूर्नामेंट के शुरूआती तीन मैच गंवाने के बाद वापसी करते हुए लगातार पांच मैचों में जीत हासिल कर खिताबी भिड़ंत सुनिश्चित की। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने लगातार जीत के सिलसिले को जारी रखते हुए 11 मैचों में फतह हासिल की और अब वह रिकॉर्ड सातवें विश्व खिताब को अपने नाम करने की कोशिश में है। दोनों टीमों ने पिछले 11 विश्व कप में मिलाकर 10 खिताब हासिल किए हैं लेकिन दिलचस्प बात है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया 34 साल में पहली बार आईसीसी विश्व कप फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे। दोनों टीमों ने करीब एक महीने पहले हैमिल्टन में अपना अभियान शुरू किया और वे साथ ही टूर्नामेंट का समापन करेंगी जिसमें से एक के हाथ में ट्राफी होगी। ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ एक ही विश्व कप फाइनल गंवाया है जो 2000 में हुआ था और रविवार को हेगले ओवल में होने वाले फाइनल से वो जगह ज्यादा दूर नहीं है। लिंकन के बर्ट सुटक्लिफ ओवल में आस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट के अब तक के करीबी फाइनल में न्यूजीलैंड से महज चार रन से हार का सामना किया था। उस साल इंग्लैंड का विश्व कप में सबसे खराब प्रदर्शन रहा था जिसमें वह पांचवें स्थान पर रही थी। लेकिन फिर 2009 में वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया से ट्राफी छीनी थी। यह साल इंग्लैंड के लिए शानदार रहा था जिसमें उसने पहला और एकमात्र टी20 विश्व कप जीता और साथ ही एशेज भी जीती थी। अब यही चीज ऑस्ट्रेलिया 13 साल बाद करना चाहेगी क्योंकि टीम पहले ही 2020 में अपनी सरजमीं में टी20 ट्राफी हासिल कर चुकी है और फरवरी में दो मैच रहते ही उसने एशेज भी जीत ली थी। उप-कप्तान रशेल हेन्स के पास 2013 विजेता पदक भी है और वह प्रतियोगिता के रिकॉर्ड की ओर बढ़ रही हैं। इस सलामी बल्लेबाज ने टूर्नामेंट में 429 रन बना लिए हैं ओर वह न्यूजीलैंड की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ डेबी हॉकले के 1997 में बनाये गये रिकॉर्ड से महज 27 रन पीछे हैं। रविवार को सिर्फ यही रिकॉर्ड दाव पर नहीं लगा होगा बल्कि बायें हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के पास भी ऑस्ट्रेलिया की लिन फुलस्टन को पीछे छोड़ने का मौका होगा जिन्होंने 1982 में 23 विकेट झटके थे। एक्लेस्टोन के 20 विकेट हैं जिसमें उन्होंने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण अफ्रीका पर सेमीफाइनल में मिली जीत में पांच विकेट चटकाने का कारनामा हासिल किया। उन्होंने 36 रन देकर छह विकेट चटकाए जो विश्व कप में किसी इंग्लैंड की गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप में 22 साल में पहली बार इंग्लैंड को हराया जिससे गत चैम्पियन को पहले तीन मैच में तीन हार मिली जिससे उसके लिये बचे हुए ।

बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज विश्व कप फाइनल खेल सकती हैं एलीस पैरी

क्राइस्टचर्च ।

विश्व कप में पिछले दो मैचों से बाहर रहने के बाद एलीस पैरी और ऑस्ट्रेलिया के समर्थकों के लिए खुशी की बात है कि उनकी स्टार ऑलराउंडर रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए फिट हो जाएंगी। पीठ की चोट से परेशान पैरी एक विशेषज्ञ बल्लेबाज़ के तौर पर इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। फाइनल से पहले पैरी ने क्राइस्टचर्च में दो कड़े अभ्यास सत्रों में हिस्सा लिया। कप्तान मेग लानिंग ने बताया कि पैरी ने फिटनेस टेस्ट को पार कर लिया है और बस यह देखना बाकी है कि उनका शरीर इस अभ्यास से कैसे उबरता है। लानिंग ने कहा, हमें लगता है कि हमारे सभी खिलाड़ी उपलब्ध हैं। एलीस ने कल एक मुश्किल अभ्यास सत्र में भाग लिया और उन्होंने आज भी अभ्यास किया। अब बस यह देखना होगा कि आराम के बाद वह कैसा महसूस करती हैं। ग्रुप स्टेज में हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद पैरी दो साल पहले घर पर खेले गए टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तथा फाइनल मुक़ाबले में खेल नहीं पाई थीं।12 दिन पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में चोटिल होने के बाद से पैरीने नेट में गेंदबाज़ी नहीं की हैं। लेकिन वनडे मैचों में लगभग 50 की औसत होने के कारण लानिंग ने कहा कि वह पैरी को बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज खिलाने से कतराएंगी नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, वह निश्चित रूप से एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका में खेल सकती हैं। वह निश्चित रूप से एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका में खेल सकती हैं। वह निश्चित रूप से एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका में खेल सकती हैं। पिछले कुछ हफ्तों में उन्होंने गेंदबाजी नहीं की हैं और सीधे फाइनल में गेंदबाजी का भार संभालना मुश्किल होगा। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता शनिवार की दोपहर को ही अपनी अंतिम एकादश का चयन करेंगे। वह चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी इस बड़े मुकाबले से पहले पूरी तरह से तैयार हो जाएं।

मियामी ओपन : कैस्पर रूड और अल्काराज पुरूष वर्ग फाइनल में भिड़ेंगे

मियामी गार्डन्स । गैर वरीय नाओमी ओसाका मियामी ओपन महिला एकल फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से भिड़ेंगी जबकि पुरूष वर्ग के फाइनल में कैस्पर रूड का सामना कार्लोस अल्काराज से होगा। ओसाका एक साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला फाइनल खेलेंगी। ओसाका ने फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद कहा- काफी लोग कह रहे हैं कि तुम वापस आ गई हो। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि मैं छोड़कर गई थी। मैं ऐसी ही खिलाड़ी रही हूं, बस मैं मैच नहीं खेल रही थी। तुम वापस आ गई हो। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि मैं छोड़कर गई थी। मैं ऐसी ही खिलाड़ी रही हूं, बस मैं मैच नहीं खेल रही थी। एशले बार्टी के 2019 में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने से पहले ओसाका पहले नंबर पर थी। बार्टी तब से नंबर एक स्थान पर बनी हुई थीं लेकिन उन्होंने पिछले हफ्ते संन्यास लेने का फैसला किया। इससे स्वियातेक सोमवार को जारी होने वाली रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगी। छठे वरीय रूड ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6-4, 6-1 से हराकर रविवार को होने वाले पुरूष वर्ग के फाइनल में जगह बनाई जिसमें वह 14वें नंबर के अल्काराज के सामने होंगे। अल्काराज ने सेमीफाइनल में 8वें वरीय हबर्ट हुरकाज को 7-6 7-6 से शिकस्त दी।

आईपीएल दूसरा डबल हेडर मुकाबले में मुंबई इंडियंस को राजस्थान के जोश से बचकर रहना होगा

नवी मुंबई ।

क्रिकेट के रोमांच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल2022) में आज इस श्रंखला का दूसरा डबल हेडर मुकाबला खेला जाएगा। पहले मैच में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा। मुंबई की शुरुआत एक बार फिर खराब रही है जहां उसे लगातार 10वें सीजन अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान ने जिस तरह अपने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद पर हैरतअंगेज जीत हासिल की थी, उसे देखते हुए मुंबई के लिए मुकाबला एक बार फिर आसान नहीं होने वाला है। हैदराबाद पर हैरतअंगेज जीत हासिल की थी, उसे देखते हुए मुंबई के लिए मुकाबला एक बार फिर आसान नहीं होने वाला है। मुंबई इंडियंस को राजस्थान के जोश से बचकर रहना होगा। मुंबई के लिए मैच से पहले सबसे अच्छी खबर यह है कि मध्यक्रम के उसके धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिट हो चुके हैं और इस मैच में मैदान पर उतरने को तैयार हैं। कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी अगर एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने में कामयाब रहती है तो मिडल-ऑर्डर में सूर्य उसे बड़े स्कोर में तब्दील करवा सकते हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और बासिल थंपी को अपनी रफ्तार से तो स्पिनर मुरुगन अश्विन को अपनी फिरकी से महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। दूसरी तरफ रॉयल्स के लिए कप्तान संजू सैमसन, ओपनर यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के साथ ही देवदत्त पडिक्कल को बैट से फिर चमक बिखेरनी होगी। प्रसिद्ध कृष्णा, ट्रेंट बोल्ट, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल टीम के बोलिंग अटैक को दमदार बनाते हैं। दोनों टीमों के बीच आमने-सामने हुए मुकाबलों की बात करें तो मुंबई का पलड़ा थोड़ा सा भारी है। दोनों टीमों के बीच हुए कुल 27 मुकाबलों में से मुंबई ने 14 जीते हैं और राजस्थान ने 12। वहीं एक मैच का नतीजा नहीं निकल पाया है। सीजन में इस पिच पर जो दो मैच खेले गए हैं उसमें पहले में बल्लेबाजों का तो दूसरे में गेंदबाजों का बोलबोला रहा। हालांकि, बाद में बैटिंग करने वाली टीम दोनों ही बार जीतीं। दिन का मैच होने से गर्मी से परेशानी तो रहेगी लेकिन बाद में बोलिंग करने वाली टीम के लिए ओस का चैलेंज नहीं रहेगा। 64 रन बनाते हैं तो टी20 क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे रोहित शर्मा

संभावित प्लेइंग इलेवन :

मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, कीरोन पोलार्ड, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, कीरोन पोलार्ड, फैबियन एलेन, मुरुगन अश्विन, टायमल मिल्स, बासिल थंपी, जसप्रीत बुमरा।

राजस्थान रॉयल्सः यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, संजू सैमसन (कप्तान, विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, रेयान पराग, जिमी नीशम, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार
के खिलाफ लड़ाई

चीन की अमेरिका को दो टूक, नाटो को खत्म कर देना चाहिए

बीजिंग ।

अमेरिका पर यूक्रेन में युद्ध भड़काने का आरोप लगाकर चीन ने कहा कि सोवियत संघ के विघटन के बाद नाटो को खत्म कर देना चाहिए था। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजान ने कहा, यूक्रेन संकट के गुनाहगार और मुख्य साजिशकर्ता अमेरिका ने 1999 के बाद पिछले दो दशकों में पूर्व की ओर विस्तार के पांच दौरों में नाटो की अगुवाई की। उन्होंने कहा, नाटो के सदस्यों (सदस्य देशों) की संख्या 16 से बढ़कर 30 हो गई और वे 1000 किलोमीटर से भी आगे बढ़ते हुए कहीं न कहीं रूस सीमा के समीप पहुंच गए और एक-एक कदम उठाकर रूस को धकिया दिया। झाओ का बयान उस समय में आया है, जब चीन और यूरोपीय संघ के नेता सम्मेलन के लिए डिजिटल तरीके से बैठक कर रहे हैं। इस सम्मेलन में यूक्रेन का मुद्दा छाने की संभावना है। यूरोपीय संघ के अधिकारियों का कहना है, कि वे चीन से इस वादे की उम्मीद कर रहे हैं, कि वह प्रतिबंधों को कमजोर नहीं करेगा और लड़ाई को रोकने के प्रयासों में सहायता करेगा। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता शू च्वेथिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच बड़े साझा हित हैं। दोनों पक्षों के लिए सहयोग ही एकमात्र सही विकल्प है। इस दौरान उन्होंने चीन-अमेरिका आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों के बारे में कई सवालों का जवाब दिया। अमेरिकी फेडरल कम्युनिके शंस कमिशन (एफसीसी) ने 25 मार्च को चाइना टेलीकॉम (अमेरिका) और चाइना मोबाइल इंटरनेशनल (यू.एस.ए.) लिमिटेड को अविश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं की सूची में शामिल करने की घोषणा की।

शू च्वेथिंग ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा का सामान्यीकरण करता है। अमेरिका बिना किसी तथ्यात्मक आधार के तथाकथित अविश्वसनीय आपूर्तिकर्ता सूची में चीनी कंपनियों को शामिल करता है। चीन इसका कड़ा विरोध करता है।

रूस के तेल डिपो पर हमले के बाद बढ़ेगा संघर्ष, प्रभावित हो सकती है शांतिवार्ता : प्रेस्कोव

मॉस्को।

रूस ने दावा किया है कि यूक्रेनी हेलीकॉप्टरों ने सीमा पारकर उनके इलाके में एक पेट्रोलियम डिपो पर हमला किया है। इस हमले के कारण पेट्रोलियम डिपो में भयंकर आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। यह हमला रूसी सीमा में लगभग 40 किमी अंदर स्थित बेलगोरोड के नजदीक किया गया। हमले के बाद रूस ने चेतावनी दी है कि इससे दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बनती है। उधर, यूक्रेन ने दावा किया है कि इस हमले में उसकी सेना का कोई हाथ नहीं है। कुछ दिन पहले ही यूरोपीय देशों ने चेतावनी देते हुए कहा था कि रूस अपने आक्रमण को सही ठहराने के लिए फाल्स फ्लैग ऑपरेशन कर सकता है। यूक्रेन के हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इस तरह के हमले से बातचीत के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बनती हैं। पेस्कोव ने कहा कि इस तरह के हमलों से दोनों देशों के बीच संघर्ष और ज्यादा बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि ये कोई ऐसी बात नहीं जिसे बातचीत के माहौल को बनाए रखने में मदद मिल रही हो। आशंका जताई जा रही है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच जारी शांति वार्ता फेल हो सकती है। तुर्की में रूस और यूक्रेन ने युद्धविराम करने के लिए एक दूसरे की शर्तों को मानने के संकेत दिए थे। रूस ने कहा था कि वह यूक्रेन की राजधानी कीव के नजदीक से अपनी सेना हटा लेगा और यूक्रेन में सैन्य अभियानों की गति को कम करेगा। वहीं, यूक्रेन ने कहा था कि वह किसी भी सैन्य संगठन में शामिल होने यूक्रेन ने यह भी वादा किया था कि वह अपने देश में किसी भी विदेशी सैनिकों को कैंप बनाने की अनुमति नहीं देगा। इतना ही नहीं, दोनों देशों ने भविष्य में भी ऐसी बातचीत बेलगोरोड के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा था कि शुक्रवार को कम ऊंचाई पर सीमा पार करने के बाद एस-8 रॉकेट हमला किया।

यूक्रेन का दावा, रुसी सैनिकों ने चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लूट लिया

कीव ।

यूक्रेन प्रशासन ने दावा किया है, कि रूसी सैनिकों ने पीछे हटने से पहले चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लूट लिया है। चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा प्लांट क्षेत्र में तैनात रूसी सैन्य उपकरण ले गए। कुछ रूसी उपकरणों को ले जाने के बाद, रूसी कमांडर ने 90वें कॉल साइन के साथ-एक विलेख तैयार करने की पेशकश की। उन्होंने धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तब रूसी सेना यूक्रेनी बिजली संयंत्र के श्रमिकों को बेलारूस ले जाएगी। इस धमकी के तहत विलेख पर हस्ताक्षर किए थे। विलेख पर हस्ताक्षर करने के बाद, रूसी सैनिकों ने लूटपाट शुरु कर फिर बिजली संयंत्र से चले गए। कर्मचारी उस समय अपने कार्यस्थलों पर थे और उन्हें नियंत्रण कक्ष और कार्यालयों से बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई थी। बाद में, जब उन्होंने महसूस किया कि सबकुछ शांत हो चुका है, तब उन्होंने चारों ओर जाकर बिजली संयंत्र का निरीक्षण करने का फैसला किया। उन्होंने देखा कि रूसी सैनिकों ने स्टेशन पर कंप्यूटर, केतली, कॉफी बनाने वाली मशीन और निजी संपत्ति के कटेनर चुरा लिए थे। उन्होंने रसोई के बर्तन, फॉल्क, चम्मच और व्यंजनों के सेट से लेकर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक होटल को लूट लिया। रिपोर्ट में कहा गया है, पहली नजर में, सभी संकेतक सामान्य थे, और चेरनोबिल बुनियादी ढांचे को कोई महत्वपूर्ण नुकसान अभी तक दिखाई नहीं दे रहा है। बाद में, अधिक उच्च प्रशिक्षित विशेषज्ञ सभी सुविधाओं की तकनीकी स्थिति की जांच करने में सक्षम होगा। रूस-यूक्रेन जंग को 37 दिन पूरे हो चुके हैं। यूक्रेन-रूस युद्ध को रोकने के लिए शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच में फंसे लोगों को निकालने की एक और कोशिश अधर में लटक गई है।

रूसी सीमा के पास उड़ान भरते दिखाई दिए अमेरिका के न्यूक्लियर बॉम्बर

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के एक न्यूक्लियर बॉम्बर को रूसी सीमा के पास उड़ान भरते हुए देखकर इस व्लादिमीर पुतिन के लिए %चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। रूस के निकट अमेरिकी विमान उस समय पर दिखाई दिए हैं, खबर आई थी कि मॉस्को ने परमाणु हथियारों से लैस बॉम्बर्स को स्वीडन की तरफ भेजा था लेकिन लड़ाकू विमानों ने उन्हें रोक लिया। रिपोर्ट के अनुसार बी-52 एच स्ट्रैटोफोर्ट्रेस ने शनिवार को कॉट्सवॉल्ड एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। रिपोर्ट के अनुसार एक दिन पहले स्वीडिश मीडिया ने इसकी जानकारी दी थी, कि पुतिन के चार लड़ाकू विमानों ने बाल्टिक के ऊपर गोटलैंड द्वीप के तरफ उड़ान भरी।

मीडिया के मुताबिक इसमें दो सुखोई एसयू-24 बॉम्बर्स और दो सुखोई एसयू-27 लड़ाकू विमान शामिल थे। खबरों के मुताबिक बॉम्बर्स कथित रूप से परमाणु हथियारों से लैस थे। स्टॉकहोम की सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट में बताया कि उड़ान के दौरान रूसी लड़ाकू विमानों ने इसका आंकलन करने की कोशिश की हैं कि नाटो सदस्य और स्वीडन तथा फिनलैंड जैसे तटस्थ रहने वाले देश कितनी देर में प्रतिक्रिया देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के युद्ध को देखकर स्वीडन की एयरफोर्स अलर्ट पर है।

स्वीडन नाटो का सदस्य देश नहीं है, लेकिन स्वीडन की सेना कई बार नाटो देशों की सेना के साथ सैन्य मिशन में हिस्सा ले चुकी है। इस खुलासे के बाद बार फिर से यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के परमाणु कार्रवाई का डर बढ़ गया है। रूस और यूक्रेन के बीच जंग को 37 दिन पूरे हो चुके हैं। शुक्रवार को खबर आई कि यूक्रेन के हेलिकॉप्टरों ने रूस के पश्चिमी शहर बेलगोरोड पर हमला किया।

संक्षिप्त समाचार

रमजान को लेकर इंडोनेशिया में मतभेद शुरू, इस्लामी समूह मुहम्मदिया ने किया बड़ा एलान

जकार्ता। इंडोनेशिया और पश्चिम एशिया के ज्यादातर हिस्सों में मुसलमानों के पाक महीने रमजान की शुरुआत शनिवार को हुई। हालांकि, बहुत से लोग सुबह से शाम तक उपवास रखने, नमाज पढ़ने और अन्य धार्मिक कार्य की शुरुआत रविवार से करेंगे। इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े इस्लामी समूह मुहम्मदिया ने कहा कि उसकी खगोलीय गणना के अनुसार रमजान शनिवार से शुरू होगा। वहीं, इस्लामी खगोलशास्त्रियों को चांद नहीं दिखने के बाद देश के धार्मिक मामलों के मंत्री ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि रमजान रविवार से शुरू होगा। ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि मुहम्मदिया ने इस मसले पर अलग राय दी है लेकिन लगता है कि इंडोनेशिया के ज्यादातर लोग सरकार द्वारा घोषित की गई तारीख को ही मानेंगे। देश के 27 करोड़ लोगों में से से लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या मुसलमान है। राष्ट्रपति जोको विदोदो ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि सरकार दो वर्षों में पहली बार कोविड-19 संबंधी पाबंदियों में ढील देगी। इससे इंडोनेशियाई मुसलमान इस साल रमजान के दौरान बड़े पैमाने पर नमाज अदा कर सकते हैं और ईद पर बड़े समारोह आयोजित कर सकते हैं।

सिंगापुर का बहु-नस्ली समाज गैर-चीनी नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए अधिक तैयार

सिंगापुर । सिंगापुर का चीनी बहुल बहु-नस्ली समाज अब ऐसे शीर्ष नेताओं को स्वीकार करने के लिए अधिक तैयार हो गया है, जो गैर-चीनी हैं। एक हालिया सर्वेक्षण से यह जानकारी सामने आई है। हालांकि, सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले ज्यादातर लोग किसी भी देश के नए नागरिक द्वारा इन भूमिकाओं को निभाने के विचार को लेकर बहुत असहज नजर आए। 10 फीसदी से भी कम लोगों ने कहा वे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के तौर पर नए नागरिक को देखने में सहज महसूस करेंगे। पिछले साल हुए सीएनए-आईपीएस सर्वेक्षण के दूसरे संस्करण में एक बड़े वर्ग ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के तौर पर सिंगापुरी-मलय (69.6 फीसदी) या सिंगापुरी-भारतीय (70.5 फीसदी) नागरिक को स्वीकार कर सकते हैं। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक ये आंकड़े 2016 में हुए अध्ययन के मुकाबले अधिक हैं, जिसमें 60.8 फीसदी प्रतिभागियों ने सिंगापुरी-मलय नागरिक और 64.3 प्रतिशत ने सिंगापुरी-भारतीय नागरिक को प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार होने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि ताजा अध्ययन में लगभग सभी लोग (98.8 प्रतिशत) प्रधानमंत्री के तौर पर सिंगापुरी-चीनी नागरिक को स्वीकार करने के लिए तैयार दिखे, जबकि पिछले अध्ययन में यह आंकड़ा 95.6 फीसदी था। अध्ययन के अनुसार, प्रधानमंत्री के तौर पर अधिक पसंदीदा तीन प्रमुख नस्लों में चीनी, मलय और भारतीय शामिल रहे।

स्थिति चाहे जो भी हो, म्यांमार का समर्थन जारी रखेगा चीन : वांग यी

बैंकाक । चीन ने कहा है कि वह हर परिस्थिति में पड़ोसी देश म्यांमार का समर्थन जारी रखेगा। म्यांमार में पिछले साल तख्तापलट कर सत्ता पर काबिज होने वाली सेना के समर्थन में चीन की ओर से यह ताजा बयान आया है। विदेश मंत्री वांग यी ने म्यांमार के अपने समकक्ष वुन्ना मांग ल्विन से कहा कि चीन ने पड़ोसियों के प्रति अपनी विदेश नीति में म्यांमार को हमेशा से ही महत्वपूर्ण स्थान दिया है और अब वह उसके साथ सहयोग तथा आदान-प्रदान बढ़ाना चाहता है। वांग ने कहा दोनों देशों को चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे पर काम में तेजी लानी चाहिए, प्रमुख परियोजनाओं के निर्माण को गति देनी चाहिए और कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में और अधिक एकजुट होकर योगदान देना चाहिए। वांग ने कहा, हालात में क्या बदलाव आते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता। म्यांमार की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा करने में चीन उसका समर्थन जारी रखेगा। चीन म्यांमार की राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल विकास मार्ग पर चलने में उसका साथ देगा।

यूक्रेन को 30 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त सैन्य उपकरण देगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका रक्षा विभाग ने कहा है कि वह यूक्रेन के सुरक्षा बलों को रूसी सेना से देश की रक्षा के लिए सैन्य उपकरणों के लिए अतिरिक्त 30 करोड़ डॉलर की मदद देगा। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने अपने एक बयान में कहा कि सैन्य उपकरणों में लेजर निर्देशित रॉकेट प्रणालियां, मानवरहित विमान, बख्तरबंद वाहन, अंधेरे में देखने वाले उपकरण और गोला बारूद शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसमें चिकित्सा आपूर्ति और अतिरिक्त पुर्जे भी शामिल हैं। किर्बी ने कहा कि नया पैकेज अमेरिकी सेना के भंडार से निकले उपकरण देने के बजाय यूक्रेन को नई क्षमताएं देने के लिए एक अनुबंधित प्रक्रिया की शुरुआत है। अमेरिका ने रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन को 1.6 अरब डॉलर से अधिक की सुरक्षा सहायता मुहैया कराई है।

अमेरिकी डिप्टी एनएसए ने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के उद्देश्यों और तरीकों पर विस्तार से की चर्चा

वाशिंगटन । भारतीय मूल के अमेरिकी डिप्टी एनएसए दलीप सिंह ने हाल में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान रूस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के उद्देश्यों और इसके तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। व्हाइट हाउस ने यात्रा का ब्योरा देते हुए बताया कि दलीप सिंह अमेरिका-भारत आर्थिक सहयोग तथा मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत में उनके साझा हितों को मजबूत करने के लिए इस सप्ताह भारत में थे। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर हमला करने के बाद अमेरिका द्वारा मॉस्को के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। व्हाइट हाउस ने कहा सिंह ने यूक्रेन के खिलाफ रूसी युद्ध के अस्थिर कर देने वाले आर्थिक असर के बारे में भारत के अपने समकक्षों के साथ मंथन को जारी रखा। दलीप सिंह ने वाणिज्य मंत्रालय के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और भारतीय जी20 पीयूष गोयल, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिसरी और आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ से मुलाकात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह ने रूस पर लगाए ।

श्रीलंका में बेकाबू हालात के बीच आपातकाल लागू

कोलंबो ।

श्रीलंका में आगजनी, हिंसा, प्रदर्शन, सरकारी संपत्तियों में तोड़ फोड़ चल रही है। लंबे पावर कट, खाने-पीने की चीजों की किल्लत से जूझ रहे भारत के इस पड़ोसी देश में राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने आपातकाल लागू कर दिया है। आपातकाल 1 अप्रैल से लागू किया गया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि देश में कानून व्यवस्था कायम रखने, आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई को जारी रखने के लिए ऐसा करना जरूरी हो गया है. इसलिए पूरे श्रीलंका में आपातकाल लागू किया जाता है। इस आपातकाल के जरिए राष्ट्रपति राजपक्षे ने पब्लिक सिक्युरिटी अध्यादेश के प्रावधानों को लागू कर दिया है। इससे उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था के संरक्षण, विद्रोह के दमन, दंगा या नागरिक हंगामा या आवश्यक आपूर्ति के रख-रखाव के लिए नियम बनाने का अधिकार मिल गया है। आपातकालीन नियमों के तहत, राष्ट्रपति किसी भी संपत्ति पर कब्जा करने और किसी भी परिसर की तलाशी लेने के लिए हिरासत को अधिकृत कर सकते हैं। वे किसी भी कानून को बदल या निलंबित भी कर सकते हैं। इधर श्रीलंका की राजधानी में कोलंबो में 13-13 घंटे के पावर कट से जूझ रही जनता सड़कों पर उतर आई है और राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रही है। लोगों के पास खाने-पीने की चीजें नहीं हैं। श्रीलंका में चावल-दाल दवाओं की कीमतें आसमान छू रही है। पैरासीटामोल की 10 टैबलेट की पत्ती 450 रुपए में बिक रही है। आर्थिक विशेषज्ञ बताते हैं कि श्रीलंका के ज्ञात इतिहास में ये अब तक का सबसे खराब आर्थिक संकट है। प्रतिबंधों, किल्लतों और दिक्कतों का सामना कर रही श्रीलंका की जनता कोलंबो में सड़कों पर उतर आई। 5000 से ज्यादा लोगों ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के घर की ओर रैली निकाली। भीड़ राष्ट्रपति के घर तक आना चाहती थी। इस दौरान भीड़ की पुलिस से झड़प हुई है जिसके बाद 54 लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। श्रीलंका के एक वरिष्ठ पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि हिंसा, मारपीट और आगजनी में 24 पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं, कई नागरिक भी घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और सेना की कई गाड़ियों में आग लगा दी है। मंदी, विदेशी मुद्रा की कमी से जूझ रहे श्रीलंका में प्रदर्नकारियों और बलवाइयों ने करोड़ों रुपए की संपत्ति को आग लगा दी है।

कोरोना से चीन में फिर खौफनाक हालात, शंघाई में छुपाई जा रही लाशें !

बीजिंग।

चीन में कोरोना की नई लहर से हालात फिर से खौफनाक होते जा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि चीनी प्रशासन ने देश की वित्तीय राजधानी शंघाई में लॉकडाउन लगा दिया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शंघाई के किसी भी अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं बची है। इसके बावजूद चीन का दावा है कि शंघाई में कोरोना संक्रमण से अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। इस दौरान शहर में आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप्प पड़ गई हैं। विदेशों को निर्यात किए जाने वाले सामानों की सप्लाई रोक दी गई है। शंघाई के अधिकारी शहर में तेजी से फैलते संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शंघाई के पूर्वी पुडोंग इलाके में स्थिति काफी गंभीर है। रिपोर्ट में शंघाई के डोंगहाई एल्डरली केयर अस्पताल में काम करने वाले कुछ लोगों से बात कर कोविड के खतरनाक हालात के बारे में बताया गया । अस्पताल में काम करने वाले लोगों ने कहा कि वो बुजुर्ग मरीजों का इलाज करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, इनमें से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। शंघाई के सबसे बड़े अस्पताल की एक नर्स ने बताया कि तीन हफ्ते पहले इस फैसिलिटी में कोरोना वायरस के पहले मामले की पहचान की गई थी। पहला मामला सामने आने के बाद शंघाई प्रशासन ने डोंगहाई एल्डरली केयर अस्पताल को आम लोगों के लिए बंद कर दिया है। तब से शंघाई नगरपालिका की रोग नियंत्रक टीमें इस अस्पताल से बाकी इलाके में संक्रमण को रोकने के लिए काम कर रही हैं। इस बीच चीनी सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दावा किया कि उन्हें अपने परिजनों से मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अपनी दादी का इलाज करवा रहे एक आदमी ने कहा कि अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद उनके बारे में जानकारी प्राप्त करना बहुत मुश्किल था। जब मृतकों के बारे में जानने के लिए स्थानीय शवदाह गृहों से भी संपर्क किया तो सबने इस बात से इनकार किया कि उन्हें अस्पताल से किसी मरीज का शव भेजा गया है। शंघाई विदेश मामलों के कार्यालय ने भी कोरोना से लोगों की मौत के बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं की है। पिछले हफ्ते इसी अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में काम करने पहुंचे एक दूसरे कर्मचारी ने बताया कि उसने एक मरीज को मरते देखा है।

कर्मचारी ने यह भी कहा कि मेरे एक साथी ने भी दूसरे मरीज की मौत की पुष्टि की थी। हालांकि, उन्होंने यह पुष्टि करने से इनकार किया कि इन मरीजों की मौत कोविड से हुई है या किसी दूसरी बीमारी से। एक नर्स ने बताया कि वह क्वारंटाइन सेंटर जाने से पहले इसी अस्पताल में काम करती थी और रात में सोती भी थी। उसने बताया कि लगातार नए मामले बढ़ने के कारण हालात बद से बदतर होते चले गए। उसने दावा किया कि शंघाई सरकार के भेजे गए मेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञ भी संक्रमित थे।

पीछे हट रहे रूसी सैनिकों ने पूरे क्षेत्र में बिछाई बारूदी सुरंगें, घरों और लाशों के आसपास भी सुरंगे लगाई

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार तड़के अपने मुल्क के लोगों को आगाह किया कि राजधानी से पीछे हट रहे रूसी सैनिकों ने 'पूरे क्षेत्र' में बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। यहां तक कि उन्होंने घरों और लाशों के आसपास भी बारूदी सुरंगे लगा दी हैं। जेलेंस्की ने यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की है, जब रूसी सेना द्वारा निकासी कार्यों को लगातार दूसरे दिन बाधित करने से बंदरगाह शहर मारियुपोल में मानवीय संकट गहरा गया है। क्रेमलिन ने यूक्रेनी सैनिकों पर रूसी भूमि पर स्थित एक ईंधन डिपो पर हेलीकॉप्टर से हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि, यूक्रेन ने इस हमले की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है, लेकिन अगर रूसी दावों की पुष्टि होती है, तो यह युद्ध में पहला ऐसा ज्ञात हमला होगा, जिसमें किसी यूक्रेनी विमान ने रूसी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा, निश्चित रूप से यह एक ऐसी कार्रवाई नहीं है, जिसे दोनों पक्षों के बीच वार्ता जारी रखने के माकूल माना जा सकता है। रूस ने कीव के आसपास के क्षेत्रों से अपने कुछ सैनिकों को वापस बुलाना जारी रखा है। दरअसल, मॉस्को ने सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वह यूक्रेन की राजधानी और उत्तरी शहर चेर्निहाइव के पास सैन्य गतिविधियों में कमी लाएगा। हालांकि, जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा वे पूरे क्षेत्र में बारूदी सुरंगें बिछा रहे हैं। वे घरों के आसपास बारूदी सुरंगें छोड़ रहे हैं। यहां तक कि युद्ध में मारे गए लोगों की लाशों को भी नहीं बख्श रहे। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से तब तक सामान्य जीवन में न लौटने की अपील की है,।

इमरान के बयानों की कीमत चुकाएगा पाकिस्तान! अमेरिका से बिगड़ सकते हैं संबंध

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में सियासी संकट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री इमरान खान ने हाल ही में अमेरिका को लेकर कई बयान दिए हैं। अब जानकारों का मानना है कि इससे अमेरिका और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों पर काफी असर पड़ सकता है। वहीं, अमेरिकी अधिकारी भी पाकिस्तानी अधिकारियों से बातचीत में सावधानी बरत सकते हैं। खान ने आरोप लगाए थे कि उन्हें सत्ता से बाहर करने की कोशिशों में विदेशी साजिश शामिल है। हालांकि अमेरिका ने तमाम आरोपों से इनकार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इमरान खान ने हाल ही में राष्ट्र के नाम संबोधन में पत्र का जिम्मेदार के तौर पर अमेरिका का नाम लिया था, बाद में उन्होंने सुधार किया और कहा कि वह दूसरा देश है अमेरिका नहीं। अमेरिका ने खान के बयानों पर प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता ने कहा कि इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। राजनयिक समीक्षकों के अनुसार मेजबान देशों के दूतावास और अधिकारी कई बार ऐसे विचार व्यक्त करने के लिए अनौपचारिक बैठकों का इस्तेमाल करते हैं, जो आधिकारिक माध्यमों के जरिए नहीं भेजे जा सकते। एक ऑब्जर्वर ने कहा कि दूतावास सुनने वाली पोस्ट की तरह होते हैं। वे कई चीजें सुनते हैं और समझने और विश्लेषण के लिए अपनी सरकार से साझा करते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अगर आप मेजबान देश के अधिकारियों को शर्मिंदा महसूस कराते हैं, तो वे आपसे बात नहीं करेंगे और आपका दूतावास सुनने वाला पोस्ट नहीं रह जाएगा।

वॉशिंगटन स्थित विल्सन सेंटर में दक्षिण एशियाई मामलों के जानकार माइकल कूगलमैन के अनुसार अमेरिका-पाकिस्तान रिश्तों के इतिहास को देखें, तो निजी चर्चाओं में दोनों पक्ष के अधिकारियों का मौजूदा स्थितियों पर निजी और नकारात्मक आकलन साझा करना आम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी के पहले मेगा टेक्सटाइल पार्क में मिलेगा एक लाख लोगों को रोजगार 1000 एकड़ जमीन चिन्हित

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में बनने जा रहा नया मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन व अपैरल पार्क निवेशकों, कारीगरों, बुनकरों व हस्तशिल्पियों के लिए बड़ी सौगात बनेगा। इसके जरिए करीब एक लाख लोगों को इस उद्योग जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार मिलेगा। यह पार्क करीब 1000 एकड़ जमीन पर बनेगा। लखनऊ- हरदोई के बीच लगने वाला यह प्रोजेक्ट वस्त्रोद्योग से जुड़े सारे काम व सुविधाएं एक स्थान पर मुहैया कराएगा। योगी सरकार 2.0 ने इससे संबंधित प्रस्ताव हाल ही में केंद्र सरकार को भेज दिया है। पीएम मित्र योजना के तहत देश भर में इस तरह के सात मेगा पार्क बनने हैं। मोदी सरकार ने इस योजना का ऐलान पिछले दिनों ही किया है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार इस पार्क को विकसित करने के लिए राज्य सरकार को वित्तीय सहयोग करेगी। इसके जरिए एक ही स्थान पर कताई, बुनाई, रंगाई और छपाई से लेकर परिधान निर्माण का काम होगा। यहीं से उसके विपणन, बाजार की व्यवस्था होगी। सारी सुविधाएं एक स्थान पर होने से लाजिस्टिक का खर्च बचेगा। इसके साथ ही निर्यात की सुविधाएं होंगी। यूपी में पहले से ही टेक्सटाइल उद्योगों के जरिए लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ है लेकिन सारा काम अलग-अलग होता है। अब इस पार्क के जरिए वस्त्रोद्योग का पूरा बुनियादी ढ़ांचा आधुनिकतम तकनीक के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। इस उद्योग में निवेश करने वाले छोटे बड़े उद्यमियों को अपनी यूनिट लगाने की अनुमति होगी और उन्हें सहूलियत भी दी जाएगी।

इस उद्योग में निवेश करने वाले छोटे बड़े उद्यमियों को अपनी यूनिट लगाने की अनुमति होगी और उन्हें सहूलियत भी दी जाएगी। इसके जरिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की संभावनाएं बढ़ेगीं। यूपी में कानपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, आदि टेक्सटाइल उद्योग के हब बन चुके हैं।

दिल्ली की तर्ज पर तमिलनाडु में स्थापित किए जा रहे हैं मॉडल स्कूल : स्टालिन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली की तर्ज पर दक्षिणी राज्य में मॉडल स्कूल स्थापित कर रही है। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कहा काम पूरा होने के बाद वह इन स्कूलों को देखने आएं। स्टालिन ने केजरीवाल के साथ दिल्ली के एक स्कूल का दौरा किया, जहां अधिकारियों ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को आप सरकार के तहत शहर में शिक्षा प्रणाली में बदलाव के बारे में जानकारी दी। दिल्ली के एक अधिकारी ने स्टालिन को बताया कि दिल्ली सरकार पिछले छह-सात साल से लगातार अपने बजट का करीब 25 फीसदी शिक्षा पर खर्च कर रही है। उन्होंने कहा 2014-15 में, सरकारी स्कूलों का 12वीं कक्षा में पास प्रतिशत 88 था, जो निजी स्कूलों से कम था। निजी स्कूलों के 92 प्रतिशत की तुलना में 2019-20 में यह बढ़कर 98 प्रतिशत हो गया है। स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार दक्षिणी राज्य में दिल्ली की तर्ज पर ही मॉडल स्कूल बना रही है। उन्होंने कहा हम वहां काम पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री केजरीवाल को आमंत्रित करेंगे। उन्हें आना चाहिए, मैं उन्हें तमिलनाडु के लोगों की ओर से आमंत्रित करता हूं। केजरीवाल ने स्टालिन को बताया कि सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को विदेश में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और शिक्षकों को भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रशिक्षित किया जाता है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने स्टालिन से कहा कि दिल्ली सरकार बच्चों को रटने की जगह वास्तविक शिक्षा की ओर ले जा रही है। स्टालिन ने जब अंग्रेजी के मामले में सुधार के बारे में पूछा तो केजरीवाल ने उन्हें बताया कि उन्होंने अंग्रेजी में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए ब्रिटिश काउंसिल और अमेरिकी दूतावास के साथ करार किया है।

भारत के जयनगर से नेपाल के जनकपुर तक पैसेंजर ट्रेन सेवा शुरु

पटना । भारत-नेपाल के बीच बहुप्रतीक्षित पैसेंजर ट्रेन सेवा की शुरुआत शनिवार से हो गई। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने संयुक्त रूप से ऐतिहासिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दोनों देश के प्रधानमंत्री ने वर्चुअल तरीके से ट्रेन सेवा का फिर से आगाज किया। नेपाली पीएम शेर बहादुर देउबा इस मौके पर दिल्ली में मौजूद रहे। इससे दोनों देशों के हजारों लोगों को फायदा होगा। फिलहाल यह ट्रेन जयनगर से नेपाल के कुर्था (जनकपुर) तक चलेगी। बाद में रेलवे लाइन का विस्तार किया जाएगा। चूंकि यह ट्रेन दो देशों में जाएगी, तब सवाल उठता है कि क्या ट्रेन के जरिये भारत से नेपाल जाने के लिए पासपोर्ट की जरूरत होगी, मोदी सरकार और रेलवे की ओर से इस बाबत पूर्व में ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। ट्रेन से भारत से नेपाल जाने के लिए पासपोर्ट की अनिवार्यता नहीं रहेगी। हालांकि, यात्रा के दौरान भारत सरकार या फिर राज्य सरकारों की ओर से जारी फोटो पहचान पत्र रखना अनिवार्य होगा। इसतरह के दस्तावेजों की सूची भी जारी की गई है। पासपोर्ट की अनिवार्यता नहीं होगी, लेकिन यात्री पासपोर्ट के साथ भी नेपाल आ और जा सकते हैं। बता दें कि इस पैसेंजर ट्रेन का विस्तार नेपाल के वरदीवास तक होगा। फिलहाल इस रेल सेक्शन को इसके लिए तैयार किया जा रहा है।भारत-नेपाल के बीच रेल प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 69.08 किलोमीटर है। फर्स्ट फेज (जयनगर और कुर्था) की लंबाई 34.5 किलोमीटर है ।

एनएससीएस ने तैयार किया राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति का मसौदा

नई दिल्ली । सरकार ने बताया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति 2021 का मसौदा तैयार कर लिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में यह जानकारी देते हुए बताया कि इस मसौदे में राष्ट्रीय साइबर स्पेस सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न खतरों को लेकर पूरी तरह सजग है और उसने साइबर हमलों को लेकर जोखिमों को दूर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। मंत्री ने बताया कि एनएससीएस ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति 2021 का मसौदा तैयार किया है, जिसमें राष्ट्रीय साइबर स्पेस सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के समाधान का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत में इंटरनेट सभी उपयोगकर्ताओं के लिए मुक्त, सुरक्षित, विश्वसनीय तथा जवाबदेह है। उनसे एक अन्य सवाल में पूछा गया कि क्या सरकार का इरादा साइबर आतंकवाद पर अन्य देशों के साथ मिल कर कोई वैश्विक कानूनी ढांचा विकसित करने का है। इस पर चंद्रशेखर ने कहा कि मंत्रालय के पास ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

अमेरिकी दूतावास के बाहर लगा पोस्टर, भारत को धमकी देना बंद करे अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में अराजक तत्वों द्वारा अमेरिकी दूतावास के बाहर अमेरिका के विरोध में पोस्टर लगाया है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10ः15 बजे उन्हें सूचना मिली, कि अज्ञात लोगों ने कुछ पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर में अमेरिका को कहा गया है कि वहां भारत को धमकी देना बंद करे। पोस्टर में कहा गया है कि भारत को अमेरिका की जरूरत नहीं है, बल्कि अमेरिका को ही चीन के खिलाफ भारत की जरूरत है। पुलिस ने बताया कि मामले में दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। बहरहाल पुलिस अब सर्विलांस की मदद से दोषियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। बता दें कि अमेरिका के डिप्टी एनएसए दलीप सिंह के भारत के खिलाफ दिए गए बयान के अमेरिकी दूतावास के बाहर पोस्टर चिपकाने का ये मामला हुआ है।

अमेरिकी दूतावास के साइन बोर्ड पर जो पोस्टर लगा है, उसमें लिखा है कि भारत को बदनाम करना बंद करे। हमें यूएस की जरूरत नहीं है बल्कि अमेरिका को चीन के खिलाफ भारत की जरूरत है।

हमें अपनी अनुशासित और बहादुर भारतीय सेना पर गर्व है। पोस्टर लगाने की घटना से पहले अमेरिकी डिप्टी एनएसए दलीप सिंह ने यक्रेन युद्ध को लेकर रूस के लिए भारत के स्टैंड पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि रूस पर लगाए प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले देशों को भी गंभीर नतीजे भुगतना होगा। अमेरिका नहीं चाहेगा कि भारत के ऊर्जा और दूसरी चीजों के आयात में रुसी हिस्सेदारी बढ़े। भारत को इसकी उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए कि अगर चीन ने कभी एलएसी पर उल्लंघन किया,तब रूस उसके बचाव में आएगा। हालांकि यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे सैयद अकबरूद्दीन अमेरिकी डिप्टी एनएसए के बयान की आलोचना करते हुए तुरंत ट्वीट किया था।

पीएम मोदी और पीएम शेर बहादुर देउबा की मुलाकात, रुपे कार्ड किया लांच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को भारत पहुंचे नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। कयास लगाया जा रहा है, कि पीएम मोदी बैठक में नेपाल के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा कर सकते हैं। वहीं इसके साथ ही पीएम देउबा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से भी शनिवार को मुलाकात करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उनके नेपाली समकक्ष ने बैठक में संयुक्त रूप से भारत की अनुदान सहायता के तहत निर्मित जयनगर (भारत) और कुर्था (नेपाल) के बीच सीमा पार यात्री ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन भी किया। इसी के साथ उन्होंने भारत सरकार की क्रेडिट लाइन के तहत निर्मित नेपाल में सोलू कॉरिडोर 132 केवी पावर ट्रांसमिशन लाइन और सबस्टेशन और नेपाल में भारत की स्वदेशी भुगतान प्रणाली पर आधारित रुपे कार्ड भी लांच किया। बता दें कि नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने पीएम मोदी से मिलने से पहले राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी दी। गौरतलब है कि देउबा इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर चुके हैं। नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों की शनिवार की मुलाकात दोनों देशों के बीच मधुर संबंधों पर जोर देने के लिए खास मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान कई अहम समझौते होने वाले हैं। यही नहीं इन समझौतों से दोनों देशों के बीच कड़वाहट पर भी विराम लग

भारत ने अभी तक विषम मिश्रित टीके को लेकर नैदानिक परीक्षण नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना के मामले अब कम हो रहे हैं। इसकारण देश भर में कोविड गाइडलाइंस में ढील भी दी जा रही है। इस बीच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की वैज्ञानिक प्रज्ञा यादव की कोरोना के हालातों को लेकर प्रतिक्रिया आई है। आईसीएमआर की वैज्ञानिक प्रज्ञा ने कहा कि भारत ने अभी तक विषम मिश्रित टीके की खुराक पर कोई नैदानिक परीक्षण नहीं किया है, लेकिन अमेरिका में दो अध्ययन किए गए थे, जिनमें बेहतर रोग प्रतिरोध क्षमता दिखी थी। यूपी में भी जिन लोगों को मिश्रित खुराक दी गई थी, उनमें भी वैसे ही लक्षण दिखाई दिए। साथ ही आईसीएमआर की वैज्ञानिक ने बताया कि जैसे ही चीन ने अपने शुरुआती कोविड मामलों की रिपोर्ट करना शुरू किया। वैसे ही एनआईवी ने परीक्षण की तैयारी शुरू कर वुहान से लौटे छात्रों में भारत में पहले 3 मामलों का पता लगाया। हमें पता था कि महामारी आ रही है और भारत को इससे निपटने के लिए संसाधनों को जमा करना होगा और हमने वैसा ही किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम ओमिक्रोन से काफी आशंकित थे, लेकिन जनवरी के बाद हमें राहत मिली। जब अधिकांश मामले अलक्षणी व हल्के लक्षण वाले थे। कम मृत्यु दर के साथ कोविड संस्करण प्रभावशाली नहीं था। बड़े पैमाने पर टीकाकरण और वेरिएंट पर शोध इसतरह के कारण थे, जिनसे हमने ओमिक्रोन पर काबू पाया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रमजान के दौरान निजामुद्दीन मरकज खोलने की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को निजामुद्दीन मरकज के उन हिस्सों को दोबारा खोलने की अनुमति दे दी जहां कोविड-19 महामारी के बीच मार्च 2020 में तबलीगी जमात का समागम हुआ था और तब से यह बंद था। अदालत के इस फैसले के बाद रमजान के महीने में वहां इबादत की जा सकेगी। रमजान के महीने में मरकज स्थित मस्जिद को खोलने के लिए दिल्ली वक्फ बोर्ड की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने स्पष्ट किया कि परिसर में कोई तबलीगी गतिविधि या तकरीर नहीं होगी और केवल इबादत की जा सकेगी। अदालत ने आदेश में कहा यह निर्देश दिया जाता है कि रमजान के दौरान मस्जिद बंगले वाली के भूतल और चौथी मंजिल पर नमाज तथा धार्मिक इबादत की अनुमति होगी। यह व्यवस्था केवल रमजान के एक महीने के लिए है जिसका समापन ईद उल फित्र के साथ होगा। इसने कहा धार्मिक इबादत और नमाज की अनुमति है, लेकिन तबलीगी गतिविधि की नहीं। इबादत की जा सकती है लेकिन तकरीर नहीं। अदालत ने कहा कि तात्कालिक अनुमति 16 मार्च के आदेश की निरंतरता में है, जिसमें शब-ए-बरात के लिए मरकज को दोबारा खोलने के लिए कई शर्तें लगाई गई थीं। इसने इसके साथ ही परिसर के प्रवेश, निकास और प्रत्येक मंजिल की सीढ़ियों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि रमजान के दौरान कैमरे पूरी तरह से काम करें और इसकी जिम्मेदारी मरकज प्रबंधन की होगी। उल्लेखनीय है कि अदालत ने शब-ए-बरात के लिए एक तल पर 100 लोगों की सीमा हटा दी थी और मस्जिद के प्रबंधन ने सहमति दी थी कि वहां नमाज के दौरान कोविड-19 नियमों और सामाजिक दूरी का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता रजत नायर ने चौथी मंजिल पर इबादत करने की अनुमति देने का विरोध करते हुए कहा कि स्थल योजना के तहत मस्जिद केवल भूतल तक सीमित है। इस पर अदालत ने टिप्पणी की अगर अधिक मंजिल होगी तो अधिक स्थान होगा।।।क्या (चौथी मंजिल को खोलने का विरोध करने का) कोई कारण है, बताएं। अधिक क्षेत्र बेहतर होगा। अधिक स्थान हमेशा सहायक होता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के जमावड़े और विदेशियों के ठहरने के मामले में महामारी अधिनियम, आपदा प्रबंधन अधिनियम और विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत कई प्राथमिकी दर्ज की गई थीं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच ऐतिहासिक समझौता

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण और खेल उत्पादों समेत 95 फीसदी से अधिक भारतीय वस्तुओं के लिए अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डेन तेहान ने एक ऑनलाइन समारोह में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरीसन भी मौजूद थे। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार पांच वर्ष में बढ़कर 45 से 50 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर पहुंचने की उम्मीद है, जो इस समय 27 अरब अमेरिकी डॉलर है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि दोनों देश बहुत कम समय में इस समझौते पर पहुंचे हैं, जो दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास का सबूत है। उन्होंने कहा कि यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भरोसेमंद बनाने और भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता में सहायक होगा। कार्यक्रम के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह हमारे रिश्तों के लिए ऐतिहासिक दिन है और एक दशक में विकसित अर्थव्यवस्था के साथ यह भारत का पहला समझौता है। उन्होंने कहा, हम अगले 4-5 सालों में भारत में 10 लाख नौकरियां तैयार होने की उम्मीद कर रहे हैं। आने वाले समय में भारतीय शेफ और योग सिखाने वालों के लिए नए रास्ते खुलेंगे। हमने भारत और के प्रधानमंत्री मॉरिसन ने कहा कि यह समझौता (इंडऑस एकता) दोनों देशों के बीच निरंतर प्रगाढ़ हो रहे संबंधों में एक और ऐतिहासिक आयाम जुड़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट में पिछले एक साल में की गई 27 महिला जजों की नियुक्ति : रिजिजू

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने पिछले एक साल में हाईकोर्टों में नियुक्ति के लिए 39 महिला न्यायाधीशों के नाम की सिफारिश की, जिनमें से 27 की नियुक्ति की गई, वहीं बाकी 12 मामले प्रक्रिया के अनेक स्तरों पर हैं। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को जानकारी दी। विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्टों में न्यायाधीशों की कॉलेजियम के माध्यम से नियुक्ति की मौजूदा प्रणाली में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों समेत समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने तथा सामाजिक विविधता प्रदान करने की जिम्मेदारी न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आती है। अदालतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति में सामाजिक विविधता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता कायम है। रिजिजू ने कहा कि सरकार अनेक उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध करती रही है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजते समय अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित और अल्पसंख्यकों तथा महिलाओं में से पात्र अभ्यर्थियों के नाम पर विचार किया जाए।

121 साल बाद मार्च में पड़ी इतनी ज्यादा गर्मी

नई दिल्ली । भारत के लोगों को इस साल मार्च में रिकॉर्ड लेवल की गर्मी का सामना करना पड़ा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 1901 के बाद से सबसे गर्म मार्च महीना रहा, जिस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश भर में औसत वर्षा भी बीते महीने औसत से 71त्न कम हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में मार्च में औसत तापमान 33.10 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो कि सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इस दौरान औसत न्यूनतम तापमान 20.24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिम इलाके में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 3.91 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वहीं, सेंट्रल एरिया में भी मार्च सामान्य से 1.62 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म था। भारत में मार्च में औसत तौर पर 8.9 एमएम बारिश हुई, जो कि लॉन्ग पीरियड एवरेज के 30.4 एमएम से 71 प्रतिशत कम है। मार्च में 1909 में 7.2 मिमी और 1908 में 8.7 मिमी बारिश हुई थी। ऐसे में इस साल पिछले महीने 1901 के बाद से तीसरी सबसे कम बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि आने वाले सालों में लू की तीव्रता बढ़ती जाएगी। पिछले कुछ सालों में ऐसे दिन ज्यादा रहे हैं जब बारिश हुई ही नहीं। कुछ मामलों में बहुत ज्यादा बारिश हुई और गर्मी भी बढ़ती गई है।

कोरोना ने फिर बढ़ाई चिंता एक्सई अब तक का सबसे अधिक तेजी से फैलने वाला स्ट्रेनः डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोरोना वायरस का एक नया म्यूटेंट मिला है। इसे एक्सई के नाम से जाना जाता है। यह ओमिक्रॉन के बीए.2 सब वैरिएंट की तुलना में लगभग दस प्रतिशत अधिक संक्रामक प्रतीत होता है। आपको बता दें कि ओमिक्रॉन का बीए.2 सब-वेरिएंट कोविड-19 का अब तक का सबसे अधिक संक्रामक स्ट्रेन था। यह दुनिया के कई देशों में फैल रहा है। यह अमेरिका में नए कोविड-19 के मामलों के प्रसार के लिए जिम्मेदार है। कोरोना वायरस का नया वैरिएंट एक्सई ओमिक्रॉन के दो संस्करणों - बीए.1 और बीए.2 से मिलकर बना है। यह इस समय दुनिया भर में केवल कुछ ही मामलों के लिए जिम्मेदार है। डब्ल्यूएचओ ने इस सप्ताह की शुरुआत में जारी एक रिपोर्ट में कहा, एक्सई रीकॉम्बिनेंट (बीए.1-बीए.2), पहली बार 19 जनवरी को यूके में पाया गया था। तब से 600 से कम अनुक्रमों की रिपोर्ट और पुष्टि की गई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा, शुरुआती अनुमान के मुताबिक, बीए.2 की तुलना में यह नया सब-वैरिएंट 10 प्रतिशत अधिक संक्रामक है। हालांकि इस दावे को और पुष्टि की आवश्यकता है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) के एक अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में तीन नए वैरिएंट का प्रसार हो रहा है। इनमें एक्सडी, एक्सई और एक्सएफ शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्सडी डेल्टा ज्यादातर फ्रांस, डेनमार्क और बेल्जियम में पाया गया है। इंपीरियल कॉलेज लंदन के वायरोलॉजिस्ट टॉम पीकॉक के अनुसार, एक्सडी एक से अधिक देशों में फैल गया है। ओमिक्रॉन के बीए.1 और बीए.2 से मिलकर एक्सई बना है।

गंगा में उतराया मिला प्रेमी युगल का शव एक दूसरे का पकड़ रखा था हाथ

वाराणसी । वाराणसी में सिपहिया घाट पर देर शाम एक प्रेमी युगल का शव गंगा में उतराया मिला। युवक-युवती एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए थे। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की देर शाम किसी ने पुलिस को घाट पर युवक और युवती का शव उतराने की सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंच कर शव बाहर निकलवाया। एक दूसरे का हाथ पकड़े युवक युवती का शव फूला हुआ था। कयास लगाया जा रहा है कि शव कम से कम दो दिन पहले का है। उनके पास से मिले आधार कार्ड से उनकी शिनाख्त हुई। पुलिस के अनुसार युवती 17 वर्षीया अंजली यादव दीदारगंज आजमगढ़ की रहने वाली है जबकि युवक 22 वर्षीय उद्देश्य सिंह सरायख्वाजा जौनपुर का निवासी है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के बाद दोनों के शव को शिवपुर स्थित मर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस का अनुमान है कि दोनों ने संग जीने मरने की इच्छा के चलते गंगा में कूद कर आत्महत्या कर ली है। अन्य जानकारी परिजनों के आने के बाद ही मिल पाने की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में रोड शो कर जनता से मांगा 5 साल का एक अवसर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
info@krantisamay@gmail.com

पंजाब फतह करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने अब गुजरात का रुख किया है। शनिवार को आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूर्वी अहमदाबाद में रोड शो शक्ति प्रदर्शन किया। 'जाग गया भाई जाग गया आम आदमी जाग गया। जीत गया भाई जीत गया आम आदमी जीत गया। पहले लड़े थे गोरों से अब लड़ेंगे चोरों से। भ्रष्टाचार का एक ही हाल, केजरीवाल केजरीवाल' जैसे नारों के साथ अरविंद केजरीवाल ने रोड शो किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात और गुजरातियों के प्रेम और सम्मान के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। गुजरात में पेपर लीक होना मानो एक फैशन बन गई है। इस लिकेज को बंद करना जरूरी है। गुजरात में हर जगह लीकेज है। शिक्षा बिक रही है। उन्होंने कहा कि कमल का फूल कीचड़ में उगता है और कीचड़ को साफ करने के लिए हमेशा झाड़ू की जरूरत पड़ती है। भ्रष्टाचार के इस कीचड़ को साफ करने के लिए गुजराती हाथ में झाड़ू पकड़े यह अब जरूरी हो गया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार खत्म किया। पंजाब में भगवंत मान ने गिनती के दिनों में ही भ्रष्टाचार का सफाया कर दिया। गुजरात में पिछले 25 सालों से भाजपा सत्ता में है, इसके बावजूद भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ। मैं किसी पार्टी के खिलाफ बोलने नहीं आया, बल्कि यह कहने आया हूं कि मुझे भी एक अवसर दो। मैं गुजरात और गुजरातियों को जिताने आया हूं। हमे केवल 5 वर्ष दो और अगर आप को हमारी सरकार पसंद नहीं आए तो बदल देना। उन्होंने कहा कि हम जो तिरंगा लेकर आए हैं वह लोगों में राजनीति नहीं बल्कि देशभक्ति है। दिल्ली में हमने स्कूल और अस्पताल में सुधार किया है। बिजली 24 घंटे दी जातीहै। पंजाब में प्राइवेट स्कूलें अब फीस में एक रुपया भी नहीं बढ़ा पाएंगी। 25 हजार नई नौकरियां सृजन किया है। भगवंत मान ने कहा कि खोडियार माता के हमें आशीर्वाद प्राप्तहै। हमारी लड़ाई में खोडियार माता हमें शक्ति दे यही उनसे प्रार्थना है। गुजरातियों में देशभक्ति में कोई कमी नहीं है। भीड़ और तिरंगा अरविंद केजरीवाल के लिए कोई नई बात नहीं है। दिल्ली और पंजाब तो हमने जीत लिया है अब गुजरात हमारी लक्ष्य है। केजरीवाल के रोड शो में हजारों की संख्या लोग तिरंगे के साथ शामिल हुए। रोड शो में गुजरात प्रदेश आप के प्रमुख गोपाल इटालिया और इशुदान गढवी समेत पार्टी नेता शामिल हुए। दूसरी ओर भाजपा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल के रोड में पैसे देकर लोगों की भीड़ जुटाई गई और इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है।